आश्विन कृष्ण - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 55 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 17-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संत कबीर के नाम पर उार प्रदेश में स्थापित होंगे व एवं परिधान पार्क : आदित्यनाथ

6 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण : भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

7 मैं जो काम करता हूं, उसके लिए कोई उम्मीद नहीं रखता : मनोज वाजपेयी

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने मोदी को जन्मदिन की बधाई दी, रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में सहयोग के लिए आभार जताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और भारतीय नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किया, ''अभी-अभी अपने मित्र, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र: रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।'' ट्रंप ने संदेश के अंत में राष्ट्रपति डीजेटी लिखा। मोदी बुधवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे।

माता वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा आज फिर से शुरू

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा मौसम की अनुकूल स्थिति के आधार पर बुधवार को फिर से शुरू होगी। श्राइन बोर्ड ने यह जानकारी दी। तीर्थस्थल तक जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन की घटना के बाद यात्रा 26 अगस्त को स्थगित कर दी गई थी। इस हादसे में 34 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जय माता दी...वैष्णो देवी यात्रा 17 सितंबर, 2025 (बुधवार) से अनुकूल मौसम की स्थिति में पुनः शुरू होगी।

केंद्र ने राज्यों से 'अवधि समाप्त होने के बाद भी रुके' विदेशियों की पहचान करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रह रहे लगभग 16,000 विदेशी नागरिकों की पहचान करने को कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इन विदेशों नागरिकों में से ज्यादातर अफ्रीकी देशों से हैं और ये मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य अपराधों में शामिल हो सकते हैं। देश की संघीय मादक पदार्थ निरोधक एजेंसी स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक पत्र भेजकर ऐसे लोगों का पता लगाने और संशोधित विदेशी अधिनियम के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

17-09-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे | 18-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
82,380.69 (+594.95)	25,239.10 (+169.90)

सोना	चांदी
11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	132,574 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नाम-काम भेद

नाकाम बता कर दूजों को,
कुछ कहते खुद को कामदार।
जो नामी बने विरासत से,
वे बने स्वतः ही नामदार।
जिनने भी कर दी पगचम्पी,
वे हक से हुए ईनामदार।
सब काम नाम ईनाम चले,
जब मिल जाए यदि दामदार।।

'पुड़िया' बेचने वालों समेत

विदेशों में बैठे नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि अब समय आ गया है कि विदेशों में बैठकर भारत में मादक पदार्थों का कारोबार करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के मादक पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि पान की दुकानों या खोखों में मादक पदार्थ की पुड़िया (छोटे पैकेट) बेचकर तस्करी करने वाले मादक पदार्थ से जुड़े गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

शाह ने कहा कि मादक पदार्थ के खिलाफ लड़ाई में त्रिकोणीय रणनीति अपनानी होगी। उन्होंने कहा, ''मादक पदार्थ की आपूर्ति शृंखला के प्रति हमें एक निर्मम दृष्टिकोण, मांग में कमी के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण और नुकसान कम करने के लिए एक मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। एएनटीएफ को इन तीनों दृष्टिकोणों के साथ आगे बढ़ना चाहिए।'' स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय सम्मेलन मंगलवार को यहां शुरू हुआ।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस सपने को साकार करने के लिए देश को पूरी तरह सुरक्षित होना होगा।

शाह ने कहा, ''मोदी सरकार देश से मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक एक ऐसे भारत के निर्माण का दृष्टिकोण रखा है जो हर पहलू में दुनिया का नंबर एक और पूर्ण विकसित देश होगा – एक ऐसा सुरक्षित राष्ट्र जिसे कोई भी भेद न सके। इसके लिए, हमारे युवा सबसे बड़ी उम्मीद हैं, और अगर वे दृढ़ निश्चयी हों, तो कुछ भी असंभव नहीं है, क्योंकि वे किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं।'' शाह ने कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में, लोगों ने राष्ट्र के विकास और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की चुनौती के बीच संबंध देखा है।

भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति में मॉरीशस का विशेष स्थान : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की और कहा कि अब अंतरिक्ष क्षेत्र और डिजिटल प्रौद्योगिकियों समेत नए क्षेत्रों में दोनों देशों का द्विपक्षीय सहयोग बढ़ रहा है। राष्ट्रपति भवन में रामगुलाम का स्वागत करते हुए मुर्मू ने कहा कि भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति, 'महासागर' दृष्टिकोण और 'ग्लोबल साउथ' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि भारत और मॉरीशस के बीच साझेदारी व सहयोग हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि हाल ही में संबंधों को 'संवर्धित रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने में परिलक्षित होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत मॉरीशस सरकार की विकास से संबंधित प्राथमिकताओं का समर्थन कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नया विशेष आर्थिक पैकेज मॉरीशस की सरकार और लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगा।

मुर्मू ने कहा कि अस्पताल, सड़क, बंदरगाह विकास, रक्षा खरीद और संयुक्त निगरानी जैसी परियोजनाओं से बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और आने वाले वर्षों में लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अब डिजिटल प्रौद्योगिकियों और अंतरिक्ष क्षेत्र समेत नए क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग बढ़ रहा है।

भारत के साथ व्यापार वार्ता के अगले चरणों पर चर्चा हुई : अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और भारत के वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर हुई बातचीत सकारात्मक रही। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों ने नई दिल्ली में आयोजित एक-दिवसीय बैठक के दौरान व्यापार वार्ता के अगले कदमों पर चर्चा की। दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने 16 सितंबर को नई दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल से मुलाकात की। बैठक में द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के अगले चरणों पर चर्चा हुई। लिंच दक्षिण एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि हैं। वह इस व्यापार वार्ता में अमेरिकी पक्ष की अगुवाई कर रहे हैं। इस बैठक के लिए वह सोमवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। व्यापार समझौते पर दोनों देशों के बीच अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं जबकि 25-29 अगस्त को प्रस्तावित छठा दौर ऊंचे आयात शुल्क लगाए जाने के बाद टाल दिया गया था। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों ने सीमा शुल्क से जुड़े आपसी मतभेदों को कम करने और संबंधों में आई गिरावट को थामने की कोशिशें तेज की हैं। अगस्त में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया था।

रक्षा मंत्री सिंह ने सशस्त्र बलों से 'अदृश्य' चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। युद्ध की प्रकृति में निरंतर परिवर्तन को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सशस्त्र बलों से युद्ध की पारंपरिक अवधारणाओं से आगे बढ़कर, अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों ने ''प्रौद्योगिकी-अनुकूल'' सेना की प्रासंगिकता को रेखांकित किया है।

कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन (सीसीसी) 2025 को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों से ''सूचना, वैचारिक, पारिस्थितिक और जैविक युद्ध जैसे अपरंपरागत खतरों से उत्पन्न अदृश्य चुनौतियों'' से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। सिंह ने दुनिया भर में हो रहे बदलावों और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर उनके प्रभाव के निरंतर आकलन की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा, ''आज के युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित होते हैं कि उनकी अवधि का पूर्वानुमान लगाना बेहद मुश्किल है। यह समय दो महीने, एक साल या पांच साल भी हो सकता है। हमें हमेशा तैयार रहने की जरूरत है।'' उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद मई में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना और क्रियान्वयन में सशस्त्र बलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

सिंह ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने प्रदर्शित किया है कि शक्ति, रणनीति और आत्मनिर्भरता तीन स्तंभ हैं जो भारत को 21वीं सदी में आवश्यक शक्ति प्रदान करेंगे। आज, हमारे पास अपने सैनिकों के अदम्य साहस के साथ-साथ स्वदेशी उपकरणों और प्रणालियों की मदद से किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है।

आईआईटी-हैदराबाद ने 6जी प्रोटोटाइप विकसित किया

2030 तक शुरू करने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की प्रमुख दूरसंचार शोधकर्ता प्रोफेसर किरण कुची ने बताया कि संस्थान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत 6जी तकनीक को आकार देने में न केवल भागीदार बने बल्कि एक दिग्गज बनकर विश्व में उभरे। उन्होंने बताया कि 6जी तकनीक के 2030 तक शुरू होने की उम्मीद है।

प्रोफेसर किरण के अनुसार, 6जी केवल '5जी से तेज' नहीं बल्कि कृत्रिम मेधा (एआई) के साथ जोड़ने से लेकर शहरी, ग्रामीण, घर के अंदर, बाहर, जमीन के नीचे, समुद्र और आकाश में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

आईआईटी-हैदराबाद 6जी को विकसित करने में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी संस्थानों और विभागों के सहयोग से संस्थान पहले ही 7गीगाहर्ट्ज बैंड में 6जी प्रोटोटाइप, उन्नत विशाल एमआईएमओ (मल्टीपल-इनपुट मल्टीपल-आउटपुट) एंटीना एरेज, और एलईओ (लो अर्थ ऑर्बिट) और जीईओ (जियोस्टेशनरी ऑर्बिट) दोनों कक्षाओं के लिए उपग्रह-अनुरूप प्रणालियां तैयार कर चुका है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए और इसे मानव को नियंत्रित करने का साधन नहीं बनने देना चाहिए।

बिरला ने इस बात पर बल दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित हो, तभी इससे समाज की भलाई हो सकती है।

बिरला ने यह बात हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में फेथ एण्ड फ्यूचर: इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देते हुए कही।

यह सम्मेलन 'फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट' (अमेरिका) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य मानव अनुभव को समृद्ध बनाना है, न कि उसका स्थान लेना। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कई चुनौतियां तो आती हैं, लेकिन इसके साथ ही इससे नये समाधान भी निकलते हैं।

ज़ेलेंस्की ने वायु रक्षा प्रणाली की मांग की

कीव/एपी। रूसी सेना ने दक्षिणी यूक्रेनी शहर ज़ापोरिज़्ज़िया पर रात भर रॉकेट से बमबारी की, जिसमें दो बच्चों सहित 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार यह जानकारी। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से महाद्वीप को सुरक्षित बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी वायु रक्षा प्रणाली तैयार करने की गुजारिश की।

ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि पिछले दो सप्ताह में रूस ने यूक्रेन के भीतर लक्ष्यों पर 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम और लगभग 200 मिसाइलें दागी हैं।

इजराइल ने बंदरगाह शहर होदेदा पर हवाई हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अदन/एपी। यमन के बंदरगाह शहर होदेदा पर इजराइल के हवाई हमले शुरू करने के बाद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अपनी हवाई सुरक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी। समूह के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता यायहा सारी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे वायु रक्षा तंत्र इस समय उन इजराइली विमानों का सामना कर रहे हैं, जो हमारे देश पर हमला कर रहे हैं।

इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने होदेदा बंदरगाह पर हूतियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला किया। बयान में कहा गया है, होदेदा बंदरगाह का इस्तेमाल हूती आतंकवादी शासन द्वारा ईरानी शासन की ओर से भेजे गए हथियारों को इधर-उधर करने के लिए किया जाता है, ताकि इजराइल राज्य और उसके सहयोगियों पर हमले किए जा सकें।

सारी ने एक बयान में कहा कि हूती वायु रक्षा प्रणाली ने इजराइली विमानों के लिए बहुत भ्रम पैदा कर दिया और हमले करने से पहले कुछ लड़ाकू विमानों को यमनी हवाई क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया, जिससे इजराइल की यमन में घुसपैठ विफल हो गई।

अफरीदी के बयान को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ अफरीदी ने एक पाकिस्तानी समाचार चैनल पर चर्चा के दौरान भारत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की और गांधी की प्रशंसा की।

■ अफरीदी का भारत के खिलाफ विवादास्पद बयानों का इतिहास रहा है। अफरीदी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा राहुल गांधी की ''सकारात्मक सोच'' की प्रशंसा करने के बाद मंगलवार को विपक्षी नेता पर निशाना साधा और कहा कि वह पाकिस्तान के ''प्रिय'' रहे हैं और पड़ोसी देश के लोग उन्हें अपना नेता चुन सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए भाजपा नेता अनुराग ठाकुर के साथ अफरीदी की एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को कांग्रेस से सवाल पूछने में शर्म आनी चाहिए, जबकि वह खुद उनसे संबंध रखे हुए है।

अफरीदी ने एक पाकिस्तानी समाचार चैनल पर चर्चा के दौरान भारत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की और गांधी की प्रशंसा की। अफरीदी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रविवार को दुबई में एशिया कप के मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया, जिसको लेकर पाकिस्तान में हंगामा मचा हुआ है।

इस निर्णय को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता की अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर सटीक हमला किया था, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ था।

भाजपा नेताओं ने अफरीदी की टिप्पणी को राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल किया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, ''राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रिय रहे हैं। शाहिद अफरीदी और पाकिस्तान के लोग राहुल गांधी को अपना नेता बना सकते हैं।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दल बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के भारत के फैसले को लेकर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं।

अफरीदी का भारत के खिलाफ विवादास्पद बयानों का इतिहास रहा है। अफरीदी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया।

सोना रिकॉर्ड 1.15 लाख के पार, चांदी भी नए शिखर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,800 रुपए उछलकर 1,15,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,800 रुपए बढ़कर 1,14,600 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी।

स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500-500 रुपए गिरकर क्रमशः 1,13,300 रुपए और 1,12,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, ''कमजोर डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों के चलते मंगलवार को सोना एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

हिंदी का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में सुरक्षित : डॉ खंदारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के के-नारायणपुरा स्थित क्रिस्टू जयंती विश्वविद्यालय में मंगलवार को हिंदी अध्ययन विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिन्दी भाषा उत्सव' मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. खंदारे चंदूलक्ष्मण उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पीडी ने अपने स्वागत भाषण में हिंदी भाषा की ऐतिहासिक यात्रा, उसकी सामाजिक उपयोगिता और विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख किया।

मानविकी संकाय निदेशक रेवरेंड फादर जोशी मैथ्यू ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का साधन ही नहीं बल्कि भारत की विविधताओं को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी है।डॉ. खंदारे ने हिंदी भाषा के समकालीन महत्व और इसकी वैश्विक पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में सुरक्षित है। इस अवसर पर मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. गोपाकुमार, समाज विज्ञान एवं भाषा संकाय की अध्यक्ष डॉ. कावेरीस्वामी तथा हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. विनोद बाबूराव मेघश्याम, डॉ. मोहम्मद नयाज़ पाशा, डॉ. एम. अब्दुल रजाक, डॉ. गणशेटवार साईंनाथ नागनाथ, डॉ. कृष्णा डी. लमाणी और डॉ. बेंद्रे बसवेश्वर नागोराव उपस्थित थे। संचालन स्नातक छात्रा सिमरन ने किया और स्नातक छात्रा पावनी शेट्टी ने धन्यवान दिया। हिन्दी भाषा उत्सव' के दौरान पाँच दिनों में अलग-अलग स्पर्धाओं का आयोजन किया गया जिसमें भित्ति चित्र प्रदर्शनी, निबंध लेखन, आशु भाषण, वाद-विवाद, गीत गायन, सृजनात्मक लेखन और भाषण प्रतियोगिता आदि शामिल थीं। इनमें विश्वविद्यालय के विविध विभागों के 250 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विजेता छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

प्रभु के नाम मात्र से ही भगवत प्राप्ति हो जाती है : पंडित पवन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम सेवा समिति एवं संस्कार सखी मंडल शांतिनगर के सहयोग से पितृपक्ष में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के द्वितीय दिवस में पंडित पवन जी ने कहा कि भगवान पुकारने पर ही आते हैं और उनके नाम मात्र से ही भगवत प्राप्ति हो जाती है।

कथावाचक ने भगवान की कथा सुनाते हुए भगवान विष्णु के 24 अवतारों और उनके महात्म्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने 8 प्रकारों की मृत्यु के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कर्म के सिद्धांत से भीष्म पितामह भी नहीं बच सके, कर्म सत्ता सर्वोपरि है। अंत में परीक्षित राजा के जन्म की कथा सुनाई। इस मौके पर चंदू अग्रवाल, कमला बूब, अंजू सिंघल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सरकार ने 2025-26 के लिए 11.9 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने फसल वर्ष 2025-26 के लिए 11.9 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 3.47 प्रतिशत अधिक है। कृषि मंत्रालय ने यह कहा। फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) के लिए, सरकार ने 11.5 करोड़ टन गेहूं उत्पादन लक्ष्य रखा था। वास्तविक उत्पादन रिकॉर्ड 11.75 करोड़ टन होने का अनुमान है।

गेहूं मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल है, जिसकी बुवाई अक्टूबर के अंत से शुरू होकर नवंबर तक चलती है। अन्य रबी फसलों में ज्वार, जौ, चना और मसूर शामिल हैं। रबी सत्र 2025-26 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य 17 करोड़ 11.4 लाख टन निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दो दिवसीय राष्ट्रीय रबी सम्मेलन के अवसर पर संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि रबी सत्र के लिए बीज और उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति है। उन्होंने कहा कि आगामी रबी सत्र में, कृषि वैज्ञानिकों की 2,000 से अधिक टीमें तीन अक्टूबर से शुरू होने वाले 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' नामक रबी अभियान के माध्यम से किसानों को समय पर जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए उनके पास जाएंगी।

मंत्रालय के अनुसार, आगामी 2025-26 रबी मौसम के लिए उत्तर प्रदेश के लिए गेहूं उत्पादन का लक्ष्य 3 करोड़ 64 लाख टन रखा गया है, जबकि मध्य प्रदेश को 2.4 करोड़ टन, पंजाब को 1.8 करोड़ टन, राजस्थान को एक करोड़ 15.5 लाख टन, हरियाणा को एक करोड़ 15.5 लाख टन और बिहार को 72.5 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। सरकार ने रबी सत्र 2025-26 के दौरान एक करोड़ 65.7 लाख टन दलहन और एक करोड़ 50.7 लाख टन तिलहन उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

गेहूं और चावल के बारे में, मंत्री ने कहा कि देश का उत्पादन वैश्विक स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन दलहन और तिलहन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सरकार फसलवार समीक्षा कर रही है और रबी फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएगी। मंत्री ने कहा कि आगामी रबी सत्र के लिए पर्याप्त बीज उपलब्ध है। लगभग 2.29 करोड़ टन बीज की आवश्यकता के मुकाबले, लगभग 2.5 करोड़ टन बीज पहले से ही उपलब्ध है। चौहान ने नकली कीटनाशकों, बीजों और उर्वरकों के विक्रेताओं के खिलाफ राज्य स्तर पर चल रही कार्रवाई का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित राज्यों में, सरकार संबंधित राज्यों की सहायता के लिए सभी कदम उठा रही है।

रत्न, आभूषण उद्योग के लिए कुशल श्रमबल तैयार करने को पाठ्यक्रम लाए जाएंगे: फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार रत्न एवं आभूषण क्षेत्र में कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए 'कौशल विश्वविद्यालय' में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करेगी।

फडणवीस ने यहां जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में रत्न एवं आभूषण प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह क्षेत्र भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय (एमएसएसयू) में शुरू होने वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उद्योग के लिए प्रशिक्षित श्रमशक्ति उपलब्ध कराएंगे और निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवी मुंबई के महापे में अत्याधुनिक रत्न एवं आभूषण पार्क विकसित किया जा रहा है, जो पेशेवरों और निर्यातकों को सुविधाएं उपलब्ध कराएगा और निर्यात में बढ़ोतरी में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि सरकार रत्न एवं आभूषण संघ के सहयोग से इस क्षेत्र को अधिक रोजगारोन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फडणवीस ने भारतीय आभूषणों के लंबे इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, ''कई देशों को इसका निर्यात होता है। भारत की इस क्षेत्र में पहले से ही मजबूत वैश्विक उपस्थिति है और सरकार अपनी नीतियों को इसके और अधिक सुदृढ़ीकरण के अनुरूप बनाएगी।''

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति का लिया जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। पिछले महीने जम्मू कश्मीर में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से हुए भारी नुकसान के बाद यह राजमार्ग भारी वाहनों के लिए बंद है।

डिजिटल माध्यम से बैठक में भाग लेने वाले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने के कारण फल उत्पादकों और व्यापारियों के सामने आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख किया। अब्दुल्ला ने केंद्रीय मंत्री से भारी वाहनों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत और रखरखाव जरूरी हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण यातायात को लंबे समय तक रोककर नहीं होना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, ''सड़क की मरम्मत का काम अभी रुक सकता है। लेकिन बड़े ट्रक, खासकर चार और पांच एक्सल वाले, मुगल रोड से नहीं जा सकते। उनके लिए यही एक ही रास्ता है, और अकेले कश्मीर की तरफ ही बहुत सारे ट्रक फंसे हुए हैं। इन फंसे हुए ट्रकों को जल्द से जल्द हटाना बहुत जरूरी है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि घाटी में फलों की कटाई का मौसम अपने चरम पर है और परिवहन में देरी से उत्पादकों एवं व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि छोटे वाहनों का मार्ग परिवर्तित किया जा सकता है, लेकिन श्रीनगर जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को भारी यातायात के लिए तब तक खुला रखा जाना चाहिए जब तक कि सभी फंसे हुए वाहन निकल नहीं जाते। उन्होंने कहा कि मरम्मत का कार्य तभी शुरू किया जाना चाहिए जब दोनों तरफ का फंसा यातायात पूरी तरह से साफ हो जाए।

सिंपल एनर्जी ने दुर्लभ पृथ्वी तत्व से मुक्त मोटर का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। आईपीओ लाने की तैयारी कर रही इलेक्ट्रिक स्कूटर विनिर्माता सिंपल एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसने होसुर संयंत्र में देश की पहली दुर्लभ पृथ्वी तत्वों से मुक्त मोटर का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है।

कंपनी ने बयान में कहा कि इस कदम से उसकी 'दुनिया के लिए, भारत में निर्मित' दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी और टिकाऊ एवं भू-राजनीतिक रूप से स्वतंत्र आपूर्ति शृंखलाओं का रास्ता खुलेगा। दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की खदानें सीमित होने के साथ ही उनका प्रसंस्करण मुश्किल और प्रदूषणकारी है। इनकी वैश्विक आपूर्ति पर चीन का दबदबा बना हुआ है। ऐसे में चीन द्वारा निर्यात सीमित करने पर दुनिया भर के उद्योगों पर असर पड़ता है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए कई कंपनियां 'दुर्लभ पृथ्वी तत्व से मुक्त मोटर' के विकास की कोशिश कर रही हैं। इससे इन तत्वों पर निर्भरता कम होगी और आपूर्ति शृंखला अधिक सुरक्षित बन पाएगी।

दशहरा तक किसानों को वित्तीय सहायता मिलने की उम्मीद : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार आश्वस्त है कि बारिश से प्रभावित किसानों को दशहरा तक वित्तीय सहायता अंतरित कर दी जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 जिलों के 654 राजस्व क्षेत्रों की 195 तालुका में 19.5 लाख हेक्टेयर भूमि में खरीफ फसलें प्रभावित हुई हैं।

छत्रपति संभाजीनगर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि अधिकारियों को बारिश से प्रभावित जिलों में हुए फसलों के नुकसान का शीघ्र सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर शिवसेना (उबाठा) के पूर्व नेता एवं पूर्व विधायक शिवाजीराव चोथे अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में शामिल हो गए। पवार ने कहा, ''छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड और नांदेड़ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई जबकि पैठण के कुछ इलाकों में पानी अब भी कम नहीं हुआ है। सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और मराठवाड़ा के जिला प्रशासन को फसल नुकसान का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। संरक्षक मंत्री सर्वेक्षण की निगरानी करेंगे।'' उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट जल्द ही राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

जीएसटी छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें खुदरा विक्रेता : वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में किए गए संशोधन के कारण मिलने वाली छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें। भारतीय खुदरा विक्रेता संघ को भेजे एक पत्र में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कहा कि खुदरा विक्रेताओं को रसीद/बिल में जीएसटी में कमी को जीएसटी छूट के रूप में दर्शाना चाहिए और उच्च प्रभाव वाले उत्पादों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

डीपीआईआईटी ने कहा, ''अपने नेटवर्क के माध्यम से वे 'जीएसटी के कारण छूट' को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें। उदाहरण के लिए - अपने खुदरा नेटवर्क के माध्यम से पोस्टर/फ्लायर्स और विज्ञापन (प्रिंट, टीवी और ऑनलाइन) के माध्यम से ऐसा किया जाना चाहिए।''

सरकार को ट्रंप के 'टैरिफ टेररिज्म' के आगे नहीं झुकना चाहिए : माकपा

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ''टैरिफ टेररिज्म'' (शुल्क संबंधी आतंक) के सामने नहीं झुकना चाहिए। वामपंथी पार्टी ने अपनी केंद्रीय समिति की दो दिवसीय बैठक के बाद यह भी कहा कि वह सितंबर के अंतिम सप्ताह में टैरिफ़ के मुद्दे पर एक व्यापक अभियान चलाएगी, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अमेरिका के सामने ''आत्मसमर्पण'' को उजागर किया जाएगा। माकपा केंद्रीय समिति की बैठक बीते 13-15 सितंबर को यहां हरिकिशन सिंह सुरजीत भवन में संपन्न हुई। केंद्रीय समिति की बैठक के बाद माकपा ने एक बयान में कहा, ''भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियां देश को लगातार संकट की ओर धकेल रही हैं। लोग बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और बढ़ती असमानताओं से जूझ रहे हैं। अमेरिका द्वारा 'टैरिफ' लगाए जाने के बाद बेरोजगारी और बढ़ रही है।''

प्रधानमंत्री मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की 17 सितंबर से की जाएगी ई-नीलामी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की यहां सत्रह सितंबर से दो अक्टूबर तक ई-नीलामी की जाएगी। इनमें राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, धातु की नटराज प्रतिमा और हाथ से बुनी हुई नगा शॉल शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऑनलाइन नीलामी के सातवें संस्करण की शुरुआत मोदी के जन्मदिन पर होगी, जो बुधवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यहां राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) में आयोजित एक प्रेस वार्ता में, प्रधानमंत्री के स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी के नवीनतम संस्करण की शुरूआत किये जाने की घोषणा की। ई-नीलामी का पहला संस्करण जनवरी 2019 में आयोजित किया गया था।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''तब से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किये गए हजारों अद्वितीय उपहारों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे नमामि गंगे परियोजना के समर्थन में 50 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटाई गई है।'' शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री को मिले 1,300 से ज़्यादा उपहारों की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। इन वस्तुओं में पेंटिंग, कलाकृतियां, मूर्तियां, देवी-देवताओं की मूर्तियां और कुछ खेल सामग्री शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपने सभी स्मृति चिह्न इस नेक काम के लिए समर्पित कर दिए हैं। ई-नीलामी में, कढ़ाई वाली पश्मीना शॉल, राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, नटराज मूर्ति, गुजरात की रोगन कला, एक हाथ से बुनी हुई नगा शॉल आदि शामिल की गई हैं।

टाटा मोटर्स ईवी खंड में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए कर रही तैयारी : शैलेश चंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में चीनी कंपनियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने मॉडलों की कीमतों में समरूपता लाने का लक्ष्य रख रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन इलेक्ट्रिक परिवहन खंड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने 'एफटी लाइव एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपनी कंपनी के ईवी लक्ष्यों का उल्लेख किया।

चंद्रा ने कहा कि चीनी वाहन कंपनियों को व्यापक ईवी परिवेश और बड़े पैमाने पर उत्पादन का लाभ मिलने से उनकी लागत संरचना में फायदा होता है।

उन्होंने कहा, हमें यकीन है कि हम अगले एक-डेढ़ साल में लॉजिस्टिक और 15 प्रतिशत शुल्क को ध्यान में रखते हुए चीनी ईवी निर्माताओं के साथ लागत में लगभग समान स्तर पर आ जाएंगे।

चंद्रा ने कहा कि बेहतर स्थानीय उपलब्धता और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जिसमें सेमीकंडक्टर और अन्य घटकों का उत्पादन शामिल है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम चीनी कंपनियों के मुकाबले लागत प्रतिस्पर्द्धा को लेकर पीछे हो सकते हैं लेकिन वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए टाटा मोटर्स तेजी से खुद को तैयार कर रही है।

चंद्रा ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में स्थिर सरकारी नीतियों और नए उत्पादों की पेशकश का योगदान रहा है। उन्होंने कहा, सरकार की नीतिगत स्थिरता, कम जीएसटी और राज्य सरकारों की प्रोत्साहन योजनाओं ने ईवी की बिक्री बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पिछले महीने टाटा मोटर्स ने 7,111 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो अगस्त 2024 की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक हैं।

हिमाचल प्रदेश में बारिश से तबाही, तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और मंडी जिले में एक बस स्टैंड जलमग्न हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मंडी जिले में बाढ़ के कारण कई बसें और अन्य वाहन बह गए और एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। जिले के ब्रागटा गांव में भूस्खलन के कारण एक मकान ढह गया, जिसमें दो महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई।

मंडी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि तीन शव बरामद किए गए हैं, जबकि दो लोगों को बचा लिया गया है। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को निकटतम अस्पताल ले जाया गया। मंडी जिले के धरमपुर क्षेत्र में सोमवार देर रात अचानक आई बाढ़ से मुख्य बस स्टैंड और आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलमग्न हो गए। बाढ़ के पानी ने सार्वजनिक अवसंरचना और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया, जिसमें कुछ हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बसें बह गईं और आस-पास के घर, दुकानें और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक व्यक्ति बाढ़ में लापता बताया गया है, जिसकी तलाश जारी है। दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी नुकसान हुआ, बाढ़ का पानी दुकानों में घुस गया, जिससे माल और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार नुकसान कई करोड़ रुपए का है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण सोन और भरांद नालों में बाढ़ आई, जिससे बस स्टैंड, एक कार्यशाला, पंप हाउस, दुकानों और 20 से अधिक बसों को नुकसान पहुंचा। उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री का भी कार्यभार संभाल रहे मुकेश अग्निहोत्री ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, धरमपुर बस स्टैंड, दो दर्जन से अधिक एचआरटीसी बसों, दुकानों, पंप हाउस और कार्यशाला को नुकसान पहुंचा है। शिमला में जहां सोमवार शाम से 12 घंटों में 141 मिमी बारिश हुई, हिमलैंड के पास भूस्खलन के कारण कई वाहन मलबे में दब गए और मुख्य सर्कुलर रोड अवरुद्ध हो गया, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी हुई।

गौतम और राहुल शुक्ला ने बताया, भारी बारिश हो रही थी और रात करीब एक बजे हमने पेड़ों और मलबे के गिरने की तेज आवाज सुनी और तुरंत अपने वाहनों को वहां से हटाकर भागे। ये दोनों भूस्खलन के समय हिमलैंड के पास खड़ी अपनी गाड़ी में सो रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि बीसीएस-विकास नगर, पीएमटी कॉलोनी, झंझरी और शहर के अन्य हिस्सों में भी बारिश के कारण भूस्खलन और पेड़ गिरने की घटनाएं हुई हैं। पुनर्स्थापना कार्य जारी है।

भारत ने ओजोन क्षरण करने वाले तत्वों को चरणबद्ध तरीके से कम करने की दिशा में प्रगति की : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की समय-सीमा से काफी पहले ही नियंत्रित अनुप्रयोगों के लिए हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एचसीएफसी) के उत्पादन और खपत में 67.5 प्रतिशत चरणबद्ध कमी के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एक वीडियो संदेश में यादव ने कहा कि इस वैश्विक संधि ने दुनिया भर में ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले 99 प्रतिशत पदार्थों को समाप्त कर दिया है, जिससे ओजोन परत को ठीक होने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा, ''ओजोन परत ठीक हो रही है और लगभग 2050 तक इसके 1980 से पहले के स्तर पर लौटने की उम्मीद है।'' मंत्री ने कहा, ''1 जनवरी, 2025 तक, भारत ने नियंत्रित अनुप्रयोगों और कार्यों के लिए एचसीएफसी के उत्पादन और खपत में 67.5 प्रतिशत चरणबद्ध कमी के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के लक्ष्यों से काफी पहले पूरा हो गया है।'' सभी 198 पक्षों द्वारा अनुमोदित मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को व्यापक रूप से सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौते के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसके परिणामस्वरूप रेफ्रिजरेशन, एयर कंडीशनिंग, अग्निशमन फोम और यहां तक कि एरोसोल में इस्तेमाल होने वाले ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध तरीके से हटाया गया है, जिससे पराबैंगनी विकिरण से स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र के जोखिम कम हुए हैं। यादव ने कहा कि बढ़ती शीतलन मांग को पूरा करना एक चुनौती और अवसर दोनों है। भारत एक व्यापक शीतलन कार्य योजना अपनाने वाले पहले देशों में से एक था, जिसके बारे में मंत्री ने कहा कि यह ''शीतलन आवश्यकताओं को पूरा करने और इसके नकारात्मक प्रभावों को बेअसर करते हुए स्थायी शीतलन प्रदान करने हेतु कार्यान्वयन योग्य मार्ग तैयार करने में उच्च अंतर-मंत्रालयी और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग'' को प्रदर्शित करता है।

एयर विंग एनसीसी कैडेट्स के सपनों को मिलेगी ऊंची उड़ान

अखिल भारतीय वायु सैनिक शिविर कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एनसीसी निदेशालय कर्नाटक एवं गोवा 18 से 30 सितंबर तक बेंगलूरु में अखिल भारतीय वायु सैनिक शिविर की मेजबानी करेगा। एयर विंग एनसीसी के लिए शीर्ष शिविर होने के नाते, इसमें देशभर के कैडेट विभिन्न विषयों, जैसे माइक्रोलाइट फ्लाइंग, एयरोमॉडलिंग, ड्रिल और फायरिंग में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।

एआईवीएससी एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें एनसीसी महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा एयर विंग एनसीसी प्रशिक्षण के सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है। 17 निदेशालयों के 640 कैडेटों सहित एयर विंग एनसीसी के सर्वश्रेष्ठ कैडेटों को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर निदेशालय का प्रतिनिधित्व हमारे पास है। कैडेट एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद यहां पहुंचते हैं और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने तथा विमानन सपनों को पंख लगाने का मौका पाते हैं।

विजेता दल प्रतिष्ठित वायु सेना प्रमुख अखिल भारतीय वायु सैनिक ट्रॉफी जीतने के लिए तैयार है। साल 2024 में एआईवीएससी चैंपियन का खिताब जीतने के बाद, एनसीसी निदेशालय कर्नाटक एवं गोवा के सामने अपने खिताब को बरकरार रखने की चुनौती है। इस कार्यक्रम को 19 सितंबर को भारतीय वायुसेना के मुख्यालय प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल बीजू मामन द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी। यह शिविर वायुसेना स्टेशन जलाहल्ली में आयोजित किया जा रहा है तथा प्रतियोगिताएं बेंगलूरु में विभिन्न स्थानों पर की जा रही हैं।

कैडेट यहां सिर्फ़ एक-दूसरे से प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए नहीं हैं। यह उनके लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव है। सशस्त्र बलों के मुख्य वक्ता कैडेटों को सैन्य नेतृत्व पर संबोधित करेंगे, जबकि सेवा चयन बोर्ड के मूल्यांकनकर्ता उन्हें कठिन चयन प्रक्रिया से परिचित कराएंगे। भारतीय वायुसेना का एक सेवा प्रशिक्षण संस्थान सेंटर फॉर लीडरशिप एंड बिहेवियरल स्टडीज़ कैडेटों को नेतृत्व कौशल का प्रशिक्षण देगा। एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कैडेटों को लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह के दृष्टिकोण के अनुरूप ड्रोन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैडेटों को जेनिथ एयर और एसडब्ल्यू-80 वायरस माइक्रोलाइट्स पर हवाई अनुभव उड़ान कराई जाएगी। मुख्यालय प्रशिक्षण कमान, भारतीय वायुसेना के तत्वावधान में यलहंका वायुसेना स्टेशन का एक शैक्षिक दौरा भी आयोजित किया जा रहा है। एयर विंग एनसीसी में प्रशिक्षण की दक्षता का आकलन करने के अलावा, यह शिविर कैडेटों को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के वास्ते एक मंच के तौर पर काम करेगा।

एआई अपनाने में सबसे आगे भारतीय, 56 प्रतिशत यूजर जेनरेटिव एआई टूल्स का कर रहे इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अपनाने में अग्रणी बनकर उभरा है। मंगलवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष महानगरों के आधे से ज्यादा वयस्क सक्रिय रूप से जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। फॉरेस्टर द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि शहरों में रहने वाले 56 प्रतिशत भारतीय 2025 में जेनरेटिव एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो 2024 के 44 प्रतिशत से अधिक है, जिससे भारत इस क्षेत्र में अग्रणी बन गया है। रिपोर्ट दर्शाती है कि भारतीय कंज्यूमर्स न केवल एआई को तेजी से अपना रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई को लेकर उनके ज्ञान का स्तर भी सबसे अधिक है। लगभग 63 प्रतिशत भारतीय वयस्कों का कहना है कि वे एआई को बेहतर तरीके से समझते हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया में यही आंकड़ा केवल 18 प्रतिशत और सिंगापुर में 26 प्रतिशत है। केवल 5 प्रतिशत भारतीयों ने कहा कि वे एआई को नहीं समझते, जो दुनिया भर में सबसे कम प्रतिशत है।

अलग-अलग उम्र के समूहों में मिलेनियल्स को एआई को लेकर सबसे अधिक जानकारी है, जिसमें लगभग 69 प्रतिशत लोगों को एआई की गहरी समझ है। हालांकि, रिसर्च में एक विश्वास विरोधाभास भी सामने आया है। जहां 45 प्रतिशत भारतीय एआई को समाज के लिए एक गंभीर खतरा मानते हैं, वहीं एआई को लेकर जानकारी रखने वाले करीब 66 प्रतिशत लोग मानते हैं कि एआई से मिलने वाली जानकारी पर भरोसा किया जा सकता है। यह दर्शाता है कि एआई के बारे में अधिक जागरूकता किस प्रकार सावधानी और आत्मविश्वास दोनों लाती है। उदाहरण के लिए, 64 प्रतिशत भारतीय कंज्यूमर एआई-पावर्ड लैंग्वेज ट्रांसलेशन सर्विस पर भरोसा करते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया के 27 प्रतिशत और सिंगापुर के 38 प्रतिशत की तुलना में अधिक है।

एआई जोखिमों के प्रबंधन को लेकर भारतीय लंबे समय से स्थापित कंपनियों और बड़ी तकनीकी फर्मों पर सबसे अधिक भरोसा करते हैं, जिनमें से 58 प्रतिशत इन कंपनियों पर भरोसा करते हैं। बैंकों जैसे उच्च विनियमित संस्थानों पर भी काफी भरोसा किया जाता है। यह विश्वास स्तर ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की तुलना में बहुत अधिक है, जहां निजी कंपनियां आमतौर पर कम भरोसा जगाती हैं। फॉरेस्टर की प्रमुख विश्लेषक वसुप्रधा श्रीनिवासन ने कहा, भारत का एआई परिदृश्य हाई अडॉप्शन, बेहतर समझ और व्यावहारिक संशयवाद का एक महत्वपूर्ण संयोजन प्रस्तुत करता है। श्रीनिवासन ने आगे कहा, भारतीय कंज्यूमर्स समझदार यूजर्स हैं, जो एआई की क्षमता और जोखिम दोनों को समझते हैं। इससे एक ऐसा वातावरण बनता है, जहां पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वसनीयता उद्यमों के लिए प्रतिस्पर्धी शक्तियां बन जाती हैं।

रिश्वत लेने और अनियमितताओं के आरोप में तीन डॉक्टर निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया है, जिन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की निरीक्षण टीम के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए एक चिकित्सा संस्थान के लिए अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ली थी।

निलंबित किए गए डॉक्टरों में डॉ. चैत्रा एम.एस., एसोसिएट प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग, अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलूरु; डॉ. मंजप्पा सी.एन., प्रोफेसर और प्रमुख, ऑर्थोपेडिक्स विभाग, मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; और डॉ. अशोक शेल्के, सहायक प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, बीदर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामिल हैं। विभाग के प्रमुख सचिव मोहम्मद मोहसिन ने निलंबन का आदेश जारी किया। रिपोर्टों के अनुसार, सीबीआई ने जांच के बाद रिश्वत मामले में पहले ही प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। सीबीआई ने एक आधिकारिक ईमेल के माध्यम से विभाग को इसकी जानकारी दी। निष्कर्षों के आधार पर, विभाग ने सेवा नियमों के अनुसार तीनों डॉक्टरों को निलंबित कर दिया।

डॉ. चैत्रा, डॉ. मंजप्पा और डॉ. अशोक शेल्के पर छत्तीसगढ़ के रावतपुरा राजकीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के लिए अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के बदले रिश्वत लेने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई पहले ही उन्हें हिरासत में ले चुकी है और उनसे पूछताछ कर चुकी है। सभी पहलुओं की गहन समीक्षा के बाद, मोहिन ने उनके निलंबन का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रधानमंत्री से तमिलनाडु को उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से केंद्र सरकार की आपूर्ति योजना के अनुसार तमिलनाडु को उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ अतिरिक्त आवंटन का आग्रह किया। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि उर्वरक विनिर्माताओं ने भारत सरकार की आपूर्ति योजना के अनुसार इस वर्ष अप्रैल से अगस्त तक यूरिया, डीएपी, एमओपी और मिश्रित उर्वरकों की आवश्यक मात्रा की आपूर्ति नहीं की है।

मुख्यमंत्री ने कम आपूर्ति का विवरण देते हुए कहा कि उनकी आपूर्ति आवंटन का केवल लगभग 57 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, अतः, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दें कि उर्वरक विनिर्माता तमिलनाडु को 27,823 टन यूरिया, 15,831 टन डीएपी, 12,422 टन एमओपी और 98,623 टन एनपीके कॉम्प्लेक्स की कमी की पूर्ति तुरंत करें।

उन्होंने कहा, चूंकि उत्पादन की संभावनाएँ उज्ज्वल हैं, इसलिए खरीफ 2025 और आगामी रबी 2025 की मांग को पूरा करने के लिए, मैं केंद्र सरकार से सितंबर, 2025 के महीने के लिए तमिलनाडु को 40,000 टन यूरिया, 20,000 टन डीएपी, 20,000 टन एमओपी और 40,000 टन एनपीके कॉम्प्लेक्स अतिरिक्त रूप से आवंटित करने का भी अनुरोध करता हूं। मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु में खरीफ और आगामी रबी मौसमों के दौरान कमी से बचने के लिए तत्काल आपूर्ति और अतिरिक्त मात्रा के आवंटन का आग्रह किया। मानसून के जल्दी आने के कारण, इस खरीफ मौसम के दौरान तमिलनाडु में जून, 2025 से धान की खेती जोरों पर है।

तमिलनाडु देश के प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में से एक है और राज्य सरकार ने कहा कि वह कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। राज्य सरकार ने कहा कि वह किसानों को अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु लक्षित, क्षेत्र-विशिष्ट योजनाओं को लागू कर रही है, साथ ही कच्चे माल की समय पर उपलब्धता की बारीकी से निगरानी भी कर रही है।

महाप्रबंधक ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के विकास कार्यों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने आज बेंगलूरु मंडल कार्यालय में दक्षिण पश्चिम रेलवे में चल रहे विभिन्न बुनियादी ढाँचे के कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं, बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों और परियोजना निष्पादन में चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

महाप्रबंधक ने केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव की भी समीक्षा की। केएसआर बेंगलूरु में भीड़भाड़ कम करने के विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान केएसआर बेंगलूरु, यशवंतपुर, एसएमवीटी बेंगलूरु और बेंगलूरु छावनी स्टेशनों से संबंधित प्लेटफार्म अधिभोग और ट्रेन संचालन संबंधी कारकों का भी विश्लेषण किया गया। बैठक में अजय शर्मा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण); आशुतोष कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलूरु मंडल; परीक्षित मोहनपुरिया, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक; प्रवीण कटारकी, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक; आर.के. सिंह, निदेशक, केआरआईडीई; बैठक में आरएलडीए के मुख्य परियोजना प्रबंधक प्रवेश कुमार और प्रभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय ने विधायक नांजेगौड़ा का चुनाव रद्द किया

मतों की दोबारा गिनती का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कोलार जिले के मालूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस विधायक केवाई नंजेगौड़ा के चुनाव को रद्द कर दिया है और 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों में डाले गए मतों की पुनर्गणना का आदेश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति आर देवदास की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया। पीठ भाजपा के के.एस. मंजूनाथ गौड़ा द्वारा दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो नंजेगौड़ा से हार गए थे। याचिका में मतगणना प्रक्रिया के दौरान अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। लगभग दो वर्षों की कार्यवाही के बाद, अदालत ने पुनर्मतगणना के पक्ष में फैसला सुनाया तथा नंजेगौड़ा के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया। हालांकि, नंजेगौड़ा के वकील की याचिका पर उच्च न्यायालय ने अपने आदेश पर 30 दिनों की रोक लगा दी है।

यह अंतरिम राहत कांग्रेस विधायक को उच्चतम न्यायालय जाने की अनुमति देती है। यदि शीर्ष अदालत इस अवधि में हस्तक्षेप नहीं करती है, तो उनकी सीट रिक्त हो जाएगी।

रेल पहिया कारखाना में हिंदी सप्ताह समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाना (रेपका) में हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 8 से 16 सितम्बर तक हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान हिंदी की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें रेपका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मंगलवार को हिंदी सप्ताह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। रेपका के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी आनंद स्वरूप ने प्रतियोगिता में विजयी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किया। हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए लेखा विभाग को आनंद स्वरूप द्वारा अंतर विभागीय राजभाषा चल ट्रॉफी प्रदान की गई। रेपका के सभी विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राजभाषा अधिकारी एस. सविता ने संचालन करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

तिरुमला में बालाजी ब्रह्मोत्सव 24 सितम्बर से होगा शुरु : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/चेन्नई। यहां टीटीडी के चेयरमैन चेयरमैन बीआर नायडू ने मंगलवार को यहां घोषणा की कि तिरुमला में होने वाले श्री बालाजी सालकाटला ब्रह्मोत्सव की भव्य तैयारियाँ की जा रही हैं। मंगलवार को तिरुमला अन्नमय्या भवन में बी. आर. नायडू की अध्यक्षता में ट्रस्ट बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बाद में चेयरमैन ने टीटीडी ईओ अनिल कुमार सिंघल के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि श्रीवारी सालकाटला ब्रह्मोत्सव 24 सितंबर से 2 अक्टूबर तक तिरुमला में आयोजित होंगे। भक्तों की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। ब्रह्मोत्सव 23 सितंबर को अंकुरार्पणम के साथ प्रारंभ होंगे। ध्वजारोहण 24 सितंबर को शाम 5:43 से 6:15 बजे मीन लग्न में सम्पन्न होगा।

24 सितंबर को आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू राज्य सरकार की ओर से भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी को रेशमी वस्त्र अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं। उसी दिन रात 9 बजे मुख्यमंत्री पेड्डा सेशा वाहनम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री श्री वेंकटाद्रि निलयम का उद्घाटन, और वर्ष 2026 के कैलेंडर और डायरी का विमोचन करेंगे। प्रतिदिन 8 लाख लड्डुओं का बफर स्टॉक उपलब्ध रहेगा।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक राज्य के बेलगावी ज़िले के कोलिकोप्पा गाँव में 7 एकड़ भूमि पर वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का निर्माण टीटीडी श्रीवाणी ट्रस्ट के धन से किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के तूलूर मंडल के अनंतवरम गाँव में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में राजगोपुरम, मुख मंडपम, सुब्रह्मण्य स्वामी के आभूषण, पेयजल, शौचालय और अन्य विकास कार्य 7.20 करोड़ रुपये की लागत से चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे। इस बैठक में टीटीडी बोर्ड सदस्य, अतिरिक्त ईओ चि. वेंकैया चौधरी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धर्मस्थल मामला : अदालत ने चिन्नैया की जमानत याचिका खारिज की

मंगलूरु/दक्षिण भारत। बेलथांगडी की एक अदालत ने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई लोगों की हत्या, बलात्कार किए जाने और शवों को दफनाने का आरोप लगाने वाले सी. एन. चिन्नैया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

शिवमोग्गा जेल में न्यायिक हिरासत में बंद चिन्नैया को आज अदालत में पेश किया गया। चिन्नैया खराब स्वास्थ्य और पारिवारिक जिम्मेदारियों के आधार पर जमानत मांगी थी। अदालत ने आरोपों की गंभीरता पर विचार करने के बाद याचिका खारिज कर दी।

धर्मस्थल मामले से जुड़े आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 23 अगस्त को चिन्नैया को गिरफ़्तार किया था। दिलचस्प बात यह है कि चिन्नैया के दावे के आधार पर ही धर्मस्थल में कथित अनियमितताओं की जांच की गई थी।

पलानीस्वामी ने पन्नीरसेल्वम की अन्नाद्रमुक में वापसी की संभावना को खारिज किया, केंद्र की तारीफ की

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने ओ. पन्नीरसेल्वम जैसे निष्कासित नेताओं को फिर से पार्टी में शामिल करने की संभावना से इनकार करते हुए कहा है कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ 'विश्वासघात' किया है, उनके लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। पलानीस्वामी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि ''उसने (2017 में) अन्नाद्रमुक सरकार को बचाया, जब कुछ लोगों ने इसे गिराने की कोशिश की थी।'' पलानीस्वामी ने पन्नीरसेल्वम और पार्टी से निष्कासित टीटीवी दिनाकरन के लिए दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं।

रेल द्वारा इलेक्ट्रिक ऑटो की पहली खेप को रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल ने मेसर्स मोंट्रा इलेक्ट्रिक (मुरुगप्पा समूह) द्वारा निर्मित इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा के पहले रेक को 15 सितम्बर को टाडा से रंगापानी रेलवे स्टेशन (कटिहार मंडल/पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे) तक सफलतापूर्वक रवाना किया। 25 एनएमजी वैगनों में ले जाई गई इस खेप को लॉजिस्टिक पार्टनर मेसर्स आईपी इंटीग्रेटेड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सुगम बनाया गया।

यह ऐतिहासिक खेप चेन्नई मंडल के माल ढुलाई परिचालन में एक नया अध्याय जोड़ती है,

जिससे रेल नेटवर्क के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बड़े पैमाने पर परिवहन के अवसर पैदा होंगे। प्रत्येक रेक मूवमेंट से राजस्व में 18.75 लाख का योगदान होता है , और चालू वित्त वर्ष के दौरान अनुमानित 8 रेकों के साथ, इस यातायात से मंडल की आय में लगभग 1.50 करोड़ की वृद्धि होने की उम्मीद है । वित्तीय लाभों के साथ, यह यातायात प्रवाह माल ढुलाई पोर्टफोलियो की विविधता को बढ़ाता है और चेन्नई मंडल को उच्च-मूल्य और टिकाऊ माल ढुलाई के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

पत्नी की स्मृति में ओम प्रकाश जोशी ने किया भूमि दान

सरदारशहर में विप्र फाउंडेशन बनाएगा कन्या छात्रावास व अन्य शिक्षा केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सरदारशहर। राजस्थान के सरदारशहर मूल के काठमांडू निवासी पंडित ओमप्रकाश जोशी ने अपनी धर्मपत्नी शांतिदेवी जोशी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु सरदारशहर में 125 वर्ग गज का एक भू-खण्ड आदर्श विद्या मंदिर के पास, वार्ड-4 में विप्र फाउंडेशन के नाम पंजीयन करवाया है। इसके साथ ही उन्होंने भूमि की चाबी एवं रजिस्ट्री फाउण्डेशन के राष्ट्रीय महामंत्री पवन कुमार पारीक एवं राष्ट्रीय सचिव मुकेश रामपुरा को स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में कब्जा सहित सौंप दिया है।इस अवसर पर सरदारशहर तहसील इकाई द्वारा भामाशाह ओमप्रकाश जोशी को सम्मानित किया गया।

विप्र फाउंडेशन द्वारा भूमि पर शीघ्र ही भवन का निर्माण कर कन्या छात्रावास, आदि शंकर ई-लाइब्रेरी एवं बाबू मोशाय ई-मित्र जैसी सेवाओं का संचालन किया जाएगा। पंडित जोशी ने कहा कि पितृ पक्ष दान का विशेष समय होता है, अतः इस पावन अवसर पर मैंने अपनी सबसे मूल्यवान भूमि का दान किया है। राष्ट्रीय महामंत्री पवन कुमार पारीक ने बताया कि भवन निर्माण हेतु शीघ्र ही भव्य आयोजन के साथ भूमि पूजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विप्र फाउंडेशन द्वारा देशभर में छात्रावास, प्रतियोगी परीक्षार्थियों हेतु प्रशिक्षण केंद्र और सांस्कृतिक-शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार निरंतर हो रहा है। राष्ट्रीय सचिव मुकेश रामपुरा ने जानकारी दी कि सरदारशहर की भांति भरतपुर और बीकानेर में भी छात्रावासों की स्थापना शीघ्र प्रारंभ होगी।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, मारुति कुमार मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष (युवा) सुनील मिश्रा, भरत शर्मा, तहसील अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, पूर्व बीडीओ दुर्गाराम पारीक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस का आंदोलन राजनीतिक बौखलाहट का प्रतीक है : अग्रवाल

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद दामोदर अग्रवाल ने कांग्रेस के जन अधिकार आन्दोलन को कांग्रेस की बौखलाहट का प्रतीक बताया है और कहा कि भाजपा सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है और हर पीड़ित किसान को फसल खराबे का मुआवजा देगी। अग्रवाल ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा कि इस महीने के अन्त तक सर्वेक्षण का काम पूरा हो जायेगा। अभी खेतों में भरे पानी का उतरने का इंतजार किया जा रहा है, ताकि उन्हें पूरा मुआवजा मिल सके।

उन्होंने कहा कि 50 वर्षों में कांग्रेस सरकार ने जितना मुआवजा किसानों को नहीं दिया है, उससे ज्यादा भाजपा सरकार ने दिया है। अगर एक तिहाई फसल भी खराब हुई है, तो मुआवजा देने की नीति बनायी है और इसमें सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। अग्रवाल ने कहा कि गुण्डागर्दी और भ्रष्टाचार से कांग्रेस नेताओं ने महल खड़े कर दिये हैं। उनका किसानों से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा सरकार किसानों को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने माना कि इस बार फसल अधिक खराब हुई है।

राज्य सरकार विकास के सभी क्षेत्रों में कर रही है अभूतपूर्व कार्य : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को करौली जिले के टोडाभीम पंचायत समिति के पदमपुरा ग्राम पंचायत में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को लोकार्पण कर ग्रामवासियों को सुपुर्द किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में 2 हजार 225 करोड़ रूपये के आधारभूत विकास कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अभूतपूर्व कार्य कर रही है। इसी दिशा में पदमपुरा में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य को पूर्ण कर आधुनिक स्वास्थ्य सूविधाओं से युक्त पीएचसी ग्रामवासियों की सेवा में सुपुर्द की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब ग्रामवासियों को मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाऐं गांव में ही उपलब्ध होगी। राज्य सरकार बिजली, पेयजल, शिक्षा, सड़क सहित सभी आवश्यक सेवाएं आमजन को उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के निवासियों की सेवा में समर्पित ग्राम सेवा शिविर, शहरी सेवा शिविर व सहकारिता अभियान संचालित किये जाएंगे। यह सेवा शिविर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक व सहकारिता अभियान 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएंगे। इन शिविरों में आमजन राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

आचार्य जयन्तसेनसूरीश्वर की मासिक पुण्यतिथि पर की गौसेवा

चेन्नई की राजेन्द्र जयन्त गौसेवा समिति ने लिया लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शंखेश्वर। शंखेश्वर जैन तीर्थ में राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर में चातुर्मास विराजित सौधर्म बृहत्तपागच्छीय गुरुदेव जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य मुनि चारित्ररत्नविजयजी व अजीतसेनविजयजी की निश्रा में शनिवार को आचार्यश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी की 101 वीं पुण्यसप्तमी का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ शंखेश्वर ग्राम पंचायत द्वारा संचालित पशु आश्रय गौशाला में 101 किलो गुड़ एवं गेहूं की लापसी खिलाकर किया। उसके बाद जिले के अलग अलग गांव की गौशाला में करीबन 900 किलो हरा घास, चारा एवं लापसी पशुओं को खिलाई गई। कार्यक्रम में पशुओं को मुनिश्री ने नवकार मंत्र एवं धार्मिक मंत्रों का मांगलिक श्रवण करवाया। पुण्य सप्तमी निमित्त जीवदया के आयोजन का लाभ चेन्नई के राजेन्द्र जयन्त गौसेवा समिति ने लिया।

जीवदया का महत्व बताते हुए मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी ने कहा कि मानवता का सार केवल मनुष्यों के प्रति ही नहीं, बल्कि सभी जीवों के प्रति करुणा, प्रेम और दया में निहित है।

'जीव दया' का अर्थ है, सभी प्राणियों के प्रति दयालुता का भाव रखना। यह न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है। जीव दया का पालन व्यक्ति के अंदर नैतिकता करुणा और दया का विकास करता है। इस मौके पर अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन तरुण परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजभाई देसाई, राष्ट्रीय सदस्य अनिल बागरेचा आदि उपस्थित थे।

दस वर्षों में आईआईटी में चार गुना बढ़ी नारी शक्ति

कोटा। किसी समय में सिर्फ छात्रों के लिए मानी जाने वाली होने वाली इंजीनियरिंग की पढ़ाई में अब छात्रायें भी बराबर की चुनौती देने लगी हैं, इसके कारण पिछले दस वर्षों में भारतीय तकनीकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या चार गुना तक बढ़ गयी है इस तथ्य की देश के सबसे प्रतिष्ठित आईआईटी में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के आंकड़े पुष्टि करते हैं। जेईई-एडवांस्ड परीक्षा में शामिल होने वाली एवं आईआईटी में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। यह इस बात से साबित होता है कि गत 10 वर्षों में आईआईटी में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या करीब तीन गुना हो गयी है।

कोचिंग संस्थान एलन के करियर सलाहकार परिजात मिश्रा ने बताया कि देश में इंजीनियरिंग शिक्षा के प्रति लड़कियों का रुझान बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार नयी नीतियां लागू की हैं, इसके कारण केन्द्र सरकार ने वर्ष 2018 से लड़कियों के लिये इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में 'फी-मेल पूल कोटे' की घोषणा की। इस वर्ष 14 प्रतिशत सीटों पर फी-मेल पूल कोटे से छात्राओं को प्रवेश दिया गया। इसके बाद वर्ष 2019 में यह कोटा बढ़ाकर 17 प्रतिशत और इसके बाद वर्ष 2020 से 20 प्रतिशत फी-मेल पूल कोटा कर दिया गया। लगातार बढ़ रहे इस प्रयास से गत 10 वर्षों में आईआईटी में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या करीब चार गुना हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि आईआईटी द्वारा जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में मात्र 847 छात्राओं ने प्रवेश लिया था। इसके बाद वर्ष 2017 में 995 और वर्ष 2018 में सुपरन्यूमेरेरी सीटें मिलाकर 1852 छात्राओं ने प्रवेश लिया। वर्ष 2019 में 2432, वर्ष 2020 में 3197, वर्ष 2021 में 3228, वर्ष 2022 में 3310, वर्ष 2023 में 3411 और वर्ष 2024 में 3495 छात्राओं ने आईआईटी में प्रवेश लिया। इसके साथ ही इस वर्ष 2025 में आईआईटी में पहुंचने वाली छात्राओं की संख्या बढ़कर 3664 हो गयी है। छात्राओं की बढ़ती हुई संख्या इनका आईआईटी के प्रति बढ़ते हुए रुझान को दर्शाता है। प्रवेश की अर्हता हासिल करने वाली छात्राओं की स्थिति में अंतर देखें तो 2016 में 4570 से बढ़कर 2025 में 9404 हो गयी है। उन्होंने बताया कि सरकार आईआईटी में प्रवेश के लिए छात्राओं की संख्या को बढ़ाने एवं आईआईटी में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात को संतुलित करने के लिए छात्राओं को सुपरन्यूमेरेरी सीटों पर प्रवेश देना शुरू किया गया था।

क्षमापना भारतीय संस्कृति का आलोक पर्व : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने क्षमापना पर्व को भारतीय संस्कृति बताते हुए कहा कि जो क्षमा करता है, वह महान होता है। उन्होंने क्षमा को जीवन का अंग बताने का आह्वान किया। उन्होंने जैनाचार्य नित्यानंद सुरीश्वर को नमन करते हुए उनके आदर्श अपनाने की आवश्यकता जताई।

बागड़े मंगलवार को नागौर में क्षमापना पर्व और जैनाचार्य नित्यानन्द सूरीश्वरजी के पदमसे अलंकृत किए जाने के अभिनन्दन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आचार्य नित्यानंद जी के जीवनभर के समर्पण एवं अनुकरणीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका समाजसेवा और धर्म के प्रति त्यागपूर्ण योगदान न केवल जैन समाज बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणादायी है।

राज्यपाल ने जैन धर्म के मूल्योंअहिंसा, परोपकार और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने स्वामी नित्यानंद जी को त्याग, साधना और करुणा का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जीवन समाज में सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण है। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया तथा बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने भी स्वामी नित्यानंद जी के कार्यों की सराहना की।

बाघिन ने दिया शावक को जन्म

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य के बाला किला क्षेत्र में बाघ परियोजना सरिस्का के अलवर बफर रेंज में बाघिन एस.टी-2302 ने शावक को जन्म दिया है। सरिस्का के उपवन संरक्षक अभिमन्यु सहारण ने मंगलवार को बताया कि कैमरे में बाघिन और उसके एक शावक की तस्वीर कैद हुई है। वर्तमान में इस बाघिन एवं शावक का विचरण मुख्यत: बाला किला एवं करणी माता मन्दिर क्षेत्र के आस-पास है। सरिस्का में बाघों की संख्या 49 हो गयी है, जिसमें 11 नर बाघ, 18 मादा बाघ और 20 शावक हो गये हैं। सदर क्षेत्र में अलवर शहर का नजदीकी क्षेत्र सरिस्का में शामिल करने के बाद 10 से अधिक बाघ-बाघिनों ने यहां अपना क्षेत्र बना लिया है।

उधर, वन विभाग ने इन क्षेत्रों में गश्त, निगरानी, सुरक्षा को और सुदृढ़ कर दिया है। वन विभाग ने आमजन एवं पर्यटकों से आग्रह किया है कि वे इस क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही, शोर एवं भीड़भाड़ जुटाने से बचें एवं वन विभाग के निर्देशों का पालन करें। सहारण ने बताया कि अमूमन एक बाघिन दो से तीन शावकों को जन्म देती है, लेकिन कैमरे में अभी एक फोटो ही आया है। हो सकता है कि अन्य शावक भी सामने आयें, क्योंकि अभी इनकी उम्र डेढ़ से दो महीने के बीच ही है। कोई भी बाघिन डेढ़ से दो महीने के बच्चे को लेकर ही बाहर निकालती है। अन्य शावकों की संख्या और उनकी निगरानी रखने के लिए 15 कैमरे और लगाये गये हैं।

ओज़ोन परत की रक्षा केवल वैज्ञानिकों की नहीं हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : आनंद कुमार

जयपुर/दक्षिण भारत । अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आनंद कुमार ने कहा कि ओज़ोन परत हमें सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरणों से बचाती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक यह दर्शाती है कि कैसे विज्ञान की चेतावनियों को हमने वैश्विक नीतियों और ठोस प्रयासों में परिवर्तित किया है। कुमार ने कहा कि ओज़ोन परत की रक्षा केवल वैज्ञानिकों की नहीं हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आनंद कुमार मंगलवार को विश्व ओज़ोन दिवस के अवसर पर आरआईसी, जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ओज़ोन परत में क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स जैसी गैसों से हो रहे क्षरण को देखते हुए 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल लाया गया, जिसके तहत दुनिया ने मिलकर ओज़ोन को नुकसान पहुंचाने वाली रसायनों को चरणबद्ध रूप से खत्म करने का संकल्प लिया।

इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान की शुरुआत की। यह दुनिया की पहली योजना है जो शीतलन आवश्यकताओं को ऊर्जा दक्षता, ओजोन परत की सुरक्षा और जलवायु नीति से जोड़ती है। उन्होंने बताया कि इसके तहत शीतलता के लिये उपलब्ध तकनीकों की पहचान के साथ ही वैकल्पिक तकनीकों, अप्रत्यक्ष उपायों और अलग प्रकार की तकनीकों की पहचान की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य 2037-38 तक रेफ्रिजरेंट की माँग को 20 से 30 प्रतिशत तक घटाना तथा एक लाख से अधिक तकनीशियनों को प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्रदान करना है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने बताया कि भारत ने कोप-26 में पांच बड़े संकल्प लिए है, इसे पंचामृत कहा गया है। इसके तहत वर्ष 2030 तक पांच प्रतिबद्धताओं की क्रियान्विति के लिए कदम उठाए जा रहे है। यह पांच प्रतिबद्धताएं है- सौ गीगावॉट नॉन-फॉसिल ईंधन उत्पादन क्षमता को प्राप्त करना, अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का लगभग पचास प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करना, कार्बन उत्सर्जन में लगभग एक अरब टन तक की कमी लाना, कार्बन इंटेंसिटी में लगभग पैंतालीस प्रतिशत की कमी करना व वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना।

कुमार ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा शुरू मिशन लाइफ अभियान एक स्थायी और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक वैश्विक जन आंदोलन है जो व्यक्तिगत और सामूहिक जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान करता है। इसके अंतर्गत प्रो प्लैनेट पीपल जैसे नेटवर्क बनाने की पहल की गई है जिससे लोग जागरूक हो, अपने व्यवहारों में परिवर्तन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। प्रधान मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने कहा कि ओज़ोन परत का बड़ा महत्व है। यह समताप मंडल में स्थित एक अदृश्य ढाल है जो हानिकारक यूवी विकिरणों को अवशोषित कर देती है, जिसके कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। उन्होंने कहा कि इसका संरक्षण करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। अपने जीवन में छोटे- छोटे बदलाव लाकर तथा ओज़ोन डिप्लीटिंग तत्वों का इस्तेमाल कम करके हम इसमें योगदान दे सकते है। उपाध्याय ने बताया कि राज्य सरकार ने इस बार हरियाळो राजस्थान महाभियान के तहत 11 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया है।

देश एक आधुनिक और संकल्पवान राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है : भूपेन्द्र यादव

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी की संयुक्त अध्यक्षता में मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन गडकरी के आवास पर अलवर लोकसभा क्षेत्र में सड़क तंत्र के विस्तार, सुदृढीकरण व नये निर्माण कार्यों के संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों व जिले के जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई।

अलवर लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि मंडल ने भूपेंद्र यादव की अगुवाई में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का अभिनंदन किया। उन्होंने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, सरिस्का एलिवेटेड रोड परियोजना, पनियाला-बड़ौदा मेव एक्सप्रेसवे (भारतमाला परियोजना), तथा परियोजनाओं की सौगातों पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने रामगढ़ क्षेत्र की प्रसिद्ध पॉटरी व महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तशिल्प सामग्री तथा अलवर की खास पहचान कलाकंद भी गड़करी को भेंट किया।

उल्लेखनीय है कि इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा जिससे ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से, सरिस्का एलिवेटेड रोड से टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए दुर्घटना रोकथाम पर विशेष बल दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैठक कर क्षेत्र में रेलवे विकास हेतु अहम पहल की थी।जिससे अलवर जिले को कई सौगात मिली थी।

केंद्रीय वन मंत्री एवं केंद्रीय सड़क मंत्री की उपस्थिति में अलवर लोकसभा क्षेत्र की सड़क विकास आवश्यकताओं और प्रस्तावित नए प्रोजेक्टस की विस्तृत प्रेजेंटेशन दी। जिसके तहत प्रगतिरत मुंडावरा-तालवृक्ष-कुशालगढ़-नटनी का बारां एंव अलवर (बड़ौदा मेव) से आगरा स्पर के तहत कार्य का कम प्रगति से होना अवगत कराया जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने बैठक के दौरान एनएचआई के उच्च अधिकारियों को दूरभाष से निर्देशित किया कि कार्य को गुणवत्ता पूर्वक करते हुए तेजी से करने के निर्देश दिए।

बैठक में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बगड़ तिराया से नौगांव सेक्शन(एनएच 248।, अलवर नूंह सेक्शन) की 2 लेन शोल्डर सड़क को 4 लेन शोल्डर सड़क के साथ चौड़ा करने के नए प्रस्ताव पर चर्चा की ताकि एनसीआर अलवर क्षेत्र के ट्रैफिक जाम को कम किया जा सके जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने अधिकारियों को सर्वे कर प्रस्ताव बनाने की निर्देश दिए। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने एनएच 248ए के अलवर नूह खंड पर स्थित रामगढ़ बाईपास और रेलवे समपार संख्या 95 पर लेफ्ट हैंड साइड सहित रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य को अनुमोदित एवं कार्य प्रारंभ करने हेतु केंद्र सड़क मंत्री को अवगत कराया जिस पर उन्होंने शीघ्र अनुमोदन कर कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन दिया।

पानी की समस्या से जुड़ा वीडियो वायरल होने के बाद युवक पर हमला

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन इलाके में कुछ लोगों ने 20 साल के एक युवक पर हमला किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि युवक पर हमला पेयजल की समस्या उठाने पर किया गया है। पार्टी ने से इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पानी की समस्या पर भाजपा विधायक को वादा याद दिलाने पर युवक को बर्बरतापूर्वक पीटा गया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कपासन में पानी की समस्या पर भाजपा विधायक को वादा याद दिलाने पर एक युवक को बर्बरतापूर्वक पीटा गया, 6-7 बदमाशों द्वारा उसके दोनों पैर तोड़ दिए गए। जूली के अनुसार,यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रदेश में बन रही भयावह परंपरा का प्रतीक है। यह एक युवक पर हमला नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आवाज पर हमला है। आज आमजन जैसे ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, सत्ता के संरक्षक उन पर अत्याचार करवाते हैं और फिर दबाव बनाकर सत्ता के पक्ष में बोलने के लिए मजबूर करते हैं।

उन्होंने कहा,भाजपा राज में राजस्थान में न समस्याओं का समाधान हो रहा है और न ही न्याय मिल रहा है, गरीब, शोषित, वंचित और आमजन का लगातार दमन और उत्पीड़न किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित युवक की पहचान सूरजमल माली के रूप में हुई है जो सिंहपुर की एक फैक्टरी में काम करता है और कल शाम अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था।

दूसरी शादी करने पहुंचे मौलाना, विरोध करने पर की पहली पत्नी की पिटाई, तीन गिरफ्तार

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में कथित तौर पर दूसरी बार निकाह करने पहुंचे एक मौलाना को पहली पत्नी से मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

नवाबगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मौलाना हैदर हुसैन, उसके बहनोई रफीक अहमद और पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 (महिला के पति और रिश्तेदारों द्वारा की गई क्रूरता) और धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तीनों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, शाही याना क्षेत्र के ग्राम चक्रवात भगवतीपुर निवासी मौलाना हैदर हुसैन का निकाह दो फरवरी 2025 को नर्गिस बेगम से हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद ही मौलाना और उसके परिजन इस रिश्ते से असंतुष्ट रहने लगे। पुलिस के अनुसार इसी बीच मौलाना को कस्बे में रहने वाली एक अन्य युवती पसंद आ गई और रविवार को वह अपने पिता, बहनोई और करीब 12 रिश्तेदारों के साथ नवाबगंज में उस युवती से निकाह करने पहुंच गया। पुलिस ने बताया कि जैसे ही नर्गिस को इसकी सूचना मिली वह भी मौके पर पहुंच गई और उसने इस निकाह का विरोध किया तो मौलाना, उसके पिता और बहनोई ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

नीतीश ने 12वीं की परीक्षा पास करने वालों के लिए ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण की घोषणा की

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। इससे पहले, सामान्य वर्ग के पुरुष आवेदकों को चार प्रतिशत और महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर आवेदकों को एक प्रतिशत की ब्याज दर पर चार लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण प्रदान किया जाता था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पोस्ट में कहा, ''अब, सभी आवेदकों के लिए ऋण ब्याज मुक्त होगा।'' बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना दो अक्टूबर, 2016 से लागू है। दो लाख रुपए तक के ऋण को 60 मासिक किश्तों में चुकाने के प्रावधान को अब अधिकतम 84 मासिक किश्तों तक बढ़ा दिया गया है। दो लाख रुपए से अधिक के ऋण के लिए, पुनर्भुगतान अवधि 84 मासिक किश्तों से बढ़ाकर अधिकतम 120 मासिक किश्तें कर दी गई है।'' कुमार ने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि इन फैसलों से छात्रों का मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह और समर्पण के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे, जिससे न केवल उनका बल्कि राज्य और देश का भविष्य भी आकार लेगा।

मेघालय में राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले आठ मंत्रियों ने इस्तीफा दिया

शिलांग/भाषा। मेघालय मंत्रिमंडल में मंगलवार को होने वाले फेरबदल से पहले ए एल हेक, पॉल लिंगदोह और अम्पारीन लिंगदोह सहित आठ मंत्रियों ने अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनपीपी नीत मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस सरकार के प्रमुख मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने यहां राजभवन में राज्यपाल सी एच विजयशंकर से मुलाकात की और मंत्रियों के इस्तीफे सौंपे। एक अधिकारी ने बताया कि नए मंत्रियों को मंगलवार शाम पांच बजे राजभवन में शपथ दिलाई जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''अपने पदों से इस्तीफा देने वाले आठ मंत्रियों में एनपीपी के अम्पारीन लिंगदोह, कॉर्मिंगोन यम्बोन, रक्कम ए. संगमा और अबू ताहिर मंडल, यूडीपी के पॉल लिंगदोह और किरमेन शायला, एचएसपीडीपी के शकलियार वारजरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ए एल हेक शामिल हैं।''

उन्होंने बताया कि उनके इस्तीफे से मंत्रिमंडल में नए मंत्रियों के शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, एनपीपी विधायक वैलादमिकी शायला, सोस्थनीस सोहतुन, ब्रेनिंग ए. संगमा और टिमोथी डी शिरा मंत्रिमंडल में शामिल होंगे।

ऑनलाइन गेम में 14 लाख रुपए हारने पर किशोर ने की आत्महत्या

लखनऊ/भाषा। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में 13 वर्षीय एक किशोर ने ऑनलाइन गेम में 14 लाख रुपए हारने के बाद सोमवार को फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धनुवासाढ़ गांव निवासी यश कुमार (13) के रूप में हुई है।

मोहनलालगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह ने बताया कि यश कुमार के ऑनलाइन गेम खेलने के कारण हुए आर्थिक नुकसान की जानकारी जब उसके पिता को हुई, तो डर के कारण यश ने यह कदम उठा लिया। पुलिस के अनुसार, छठी कक्षा में पढ़ने वाले यश कुमार ने अपने पिता सुरेश कुमार यादव के बैंक खाते से कुल 14 लाख रुपए खर्च कर दिए थे। सोमवार को जब सुरेश कुमार बैंक से पैसे निकालने गए, तो उन्हें बताया गया कि खाते में शेष राशि नहीं है।

बैंक प्रबंधक से यह जानकारी मिलने पर सुरेश कुमार घर लौटे और यह बात परिवार को बताई। तब यश कुमार भी घर पर ही मौजूद था।

बताया जाता है कि पिता को पूरे मामले का पता चलने के बाद यश पढ़ाई का बहाना बनाकर छत पर बने एक कमरे में चला गया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार रात में जब यश की बहन गुनगुन उस कमरे में गई, तो उसने अपने भाई को फंदे से लटका पाया। उसकी चीखें सुनकर परिवार के अन्य सदस्य छत पर पहुंचे और यश को नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएचओ ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच की जा रही है।

उज्जैन में जमीन अधिग्रहण के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन, दूध व सब्जी की आपूर्ति बंद करने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मप्र)/भाषा। उज्जैन सिंहस्थ के मद्देनजर किसानों की भूमि अधिग्रहित किए जाने के मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने मंगलवार को भी यहां प्रदर्शन किया और सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया तो गांवों से दूध और सब्जी की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी।

ट्रैक्टर पर सवार होकर और प्याज की माला तथा बारिश से खराब हुए सोयाबीन के फलियों को लेकर स्थानीय सामाजिक न्याय परिसर पर प्रदर्शन करने पहुंचे किसानों ने यह भी कहा कि सरकार सिंहस्थ के नाम पर स्थायी निर्माण करना चाहती है जबकि अस्थायी व्यवस्था भी पर्याप्त हैं। इस विरोध प्रदर्शन में सिंहस्थ क्षेत्र से जुड़े 17 गांवों एवं अन्य क्षेत्रों के किसानों ने अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर हिस्सा लिया। इसका नेतृत्व बीकेएस की उज्जैन-मालवा प्रांत इकाई ने किया। किसानों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा ने कहा कि सरकार जल्दबाजी में गलती कर रही है। उन्होंने कहा, ''उसकी (सरकार की) मंशा है कि किसानों से जमीन लेकर स्थायी संरचना तैयार कर दी जाए। किसान संघ इसका विरोध कर रहा है।''

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ का आयोजन हजारों सालों से होता चला रहा है लेकिन कभी किसी ने ऐसा कदम नहीं उठाया। मिश्रा ने कहा, ''वहां सुविधाएं बनाइए, मगर अस्थायी। ताकि किसान 11 साल उसका उपयोग करें और एक साल सिंहस्थ को दें। विरोध का मूल विषय यही है। सरकार सिंहस्थ के नाम पर स्थायी निर्माण करना चाहती है जबकि अस्थायी व्यवस्था भी पर्याप्त हैं।''

संत कबीर के नाम पर उत्तर प्रदेश में स्थापित होंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पारंपरिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है, जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2,300 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और भारत इसमें आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा।

उत्तर प्रदेश में एक ही घर में हैं 4,271 मतदाता पंजीकृत : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए दावा किया कि अकेले महोबा जिले में ही एक ही घर में 4,271 मतदाता पंजीकृत पाए गए हैं।

आप सांसद ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा, ''कल मैंने आपको महोबा के दो घरों के बारे में बताया था जहां 243 और 185 वोट पाए गए, जो चौंकाने वाला था। आज, मुझे एक और मामला मिला है जहां एक ही घर में 4,271 मतदाता पंजीकृत हैं। अगर एक घर में 4,271 वोट हैं तो उस परिवार में लगभग 12,000 सदस्य होने चाहिए। किसी को तो इतना बड़ा परिवार ढूंढना ही होगा।'' सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से ''वोट चोरी'' शुरू हो गई है। उन्होंने तंज कसा, ''इस घर के मालिक से मेरा कहना है कि अगर वह अकेले ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ें, तो भी वह जीत जाएंगे। किसी और को वोट देने की जरूरत नहीं है।''

सिंह ने दावा किया कि जिस गांव में यह घर है, वहां कुल मिलाकर लगभग 16,000 मतदाता हैं, जिससे यह कथित विसंगति और भी गंभीर हो जाती है। सिंह ने बिहार के भागलपुर में जमीन आवंटन को लेकर भाजपा-जदयू पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने उद्योगपति गौतम अडानी के समूह को तीन बिजली संयंत्रों के लिए 1,050 एकड़ ज़मीन 25 साल के लिए एक रुपए प्रति एकड़ की मामूली कीमत पर दी। सिंह ने आरोप लगाया, ''न केवल जमीन एक रुपए में दी गई, बल्कि यह गारंटी भी दी गई कि आप जो भी बिजली पैदा करेंगे, वह अगले 25 साल तक सात रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाएगी। लोगों को बिजली 10 रुपए, 11 रुपए या 12 रुपए में मिले, इससे सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रधानमंत्री के दोस्त को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।''

सिंह ने कहा, ''प्राथमिकता क्रिकेट के नाम पर और इस तरह के बिजली संयंत्र लगाकर पैसा कमाना है। इसलिए मैं कहता रहता हूं कि मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि अडानी के प्रधानमंत्री हैं।'' आप की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि पार्टी ने मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए 20 सितंबर को यहां अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक बैठक बुलाई है।

घुसपैठ को लेकर प्रधानमंत्री का बयान मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में घुसपैठ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टिप्पणी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुद्दों से ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत की है।

दरअसल, यादव से यह सवाल किया गया था कि वह पूर्णिया में सोमवार को प्रधानमंत्री की रैली में दिए गए भाषण पर क्या प्रतिक्रिया देना चाहेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री ने विपक्षी दल पर घुसपैठियों को बचाने और उनका समर्थन करने का आरोप लगाया था। प्रधानमंत्री ने यह भी दावा किया था कि घुसपैठ से जनसांख्यिकीय संकट पैदा हो गया है और आम लोग अपनी बहन-बेटियों की इज्जत को लेकर चिंतित हैं।

अल्पसंख्यकों के बीच लोकप्रिय पार्टी राजद के नेता तेजस्वी ने कहा, एक क्षण के लिये मान लेते हैं कि बिहार में घुसपैठिए हैं। तो सवाल उठता है कि आप अब तक क्या कर रहे थे? आप 11 साल से केंद्र की सत्ता में हैं। इसके अलावा, बिहार में भी पिछले 20 साल से आपकी (भाजपा-नीत राजग) सरकार रही है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने सवाल किया कि क्या अब तक राज्य में एक भी घुसपैठिए की पहचान की गई है?

झारखंड के धनबाद में आठ लेन वाली सड़क का एक हिस्सा फिर धंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद (झारखंड)/भाषा। झारखंड की पहली आठ लेन वाली सड़क का एक हिस्सा फिर से धंस गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस सड़क का निर्माण 461.9 करोड़ रुपए की लागत से हुआ था और पिछले साल अक्टूबर में धनबाद में इसका उद्घाटन किया गया था। उन्होंने बताया कि सड़क का मरम्मत कार्य मंगलवार रात तक पूरा होने की संभावना है।

झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकरण (एसएचएजे) के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) संजय कुमार ने बताया, ''विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित 20 किलोमीटर लंबी आठ लेन वाली सड़क का एक हिस्सा शनिवार को धनबाद के राजा तालाब के पास धंस गया। इससे पहले भी धनबाद जलापूर्ति परियोजना के तहत भूमिगत पानी की पाइपलाइन में रिसाव के कारण सड़क के कुछ अन्य हिस्से धंस गए थे।'' उन्होंने बताया, ''सड़क के रखरखाव का काम देख रही निजी निर्माण कंपनी ने मरम्मत का काम शुरू कर दिया है और इसके मंगलवार रात तक काम पूरा होने की उम्मीद है।''

एसएचएजे के अधिकारी ने बताया कि झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने पानी की पाइपलाइन बिछाई थी और इसका बड़ा हिस्सा आठ-लेन सड़क के नीचे से गुजरता है। कुमार ने कहा कि पानी की आपूर्ति की जांच करते समय पाइपलाइन में दबाव की वजह से रिसाव हो जाता है, जिससे सड़क के नीचे की मिट्टी धंस जाती है और सड़क की सतह में गड्ढा बन जाता है।

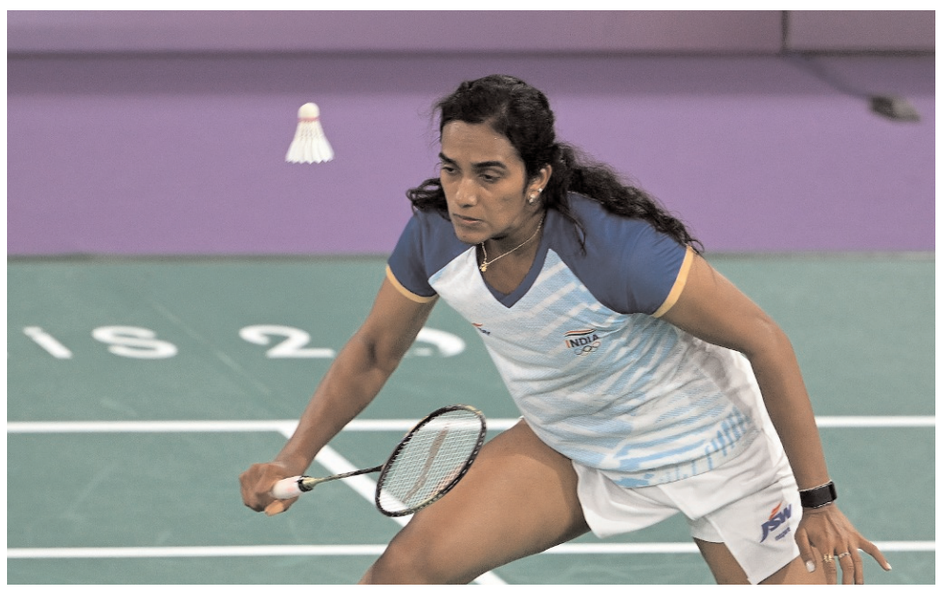

सिंधू चीन मास्टर्स के पहले दौर में जीती, शेट्टी हारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेनझेन (चीन)/भाषा। स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसन को सीधे गेम में हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

युवा आयुष शेट्टी को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद पुरुष एकल के पहले दौर में छठे वरीय और दुनिया के पांचवें नंबर के चीनी ताइपे के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन के खिलाफ 68 मिनट में 19-21 21-12 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। रुतविका गाडे और रोहन कपूर की मिश्रित युगल जोड़ी भी युइची शिमोगामी और सयाका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ 17-21 11-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने जैकबसन को सिर्फ 27 मिनट में 21-4, 21-10 से हराया। भारतीय खिलाड़ी को यह जीत हांगकांग ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन के खिलाफ हार के 10 दिन से भी कम समय बाद मिली है।

इस साल हांगकांग ओपन सहित छह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं के पहले दौर में हार का सामना करने वाली सिंधू अच्छी लय में नजर आईं और इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कुछ ही समय में अच्छी बढ़त बना ली और पहला गेम 10 मिनट से थोड़े अधिक समय में जीत लिया। दूसरे गेम में भी यही सिलसिला जारी रहा। पिछले दो मुकाबलों में डेनमार्क की खिलाड़ी को हराने वाली सिंधू ने 4-1 की बढ़त बनाई लेकिन जैकबसन ने स्कोर 4-4 कर दिया।

इसके बाद सिंधू ने अपने अनुभव और बेहतरीन तकनीक का नजारा पेश करते हुए प्रतिद्वंद्वी की चुनौती को ध्वस्त कर दिया। सिंधू ने लगातार छह अंक के साथ स्कोर 11-8 से 17-8 पर किया और फिर आसानी से कैच जीत लिया। पिछली बार जब दोनों खिलाड़ी मार्च में योनेक्स स्विस ओपन के शुरुआती दौर में भिड़ीं थी तो जैकबसन ने हार के बावजूद सिंधू को कड़ी टक्कर दी थी।

पर्यावरण मंत्री ने ग्रेट निकोबार पर चिंताओं का समाधान नहीं किया, आदिवासी समुदायों को खतरा : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ग्रेट निकोबार परियोजना पर सोनिया गांधी द्वारा एक अखबार में लिखे गए लेख के बाद जो जवाब दिया उसमें इस परियोजना से संबंधित मुख्य चिंताओं का समाधान नहीं किया गया।

रमेश ने यह भी दावा किया कि यह परियोजना ग्रेट निकोबार के आदिवासी समुदायों को विस्थापित करेगी और उनके अस्तित्व तथा कल्याण के लिए खतरा पैदा करेगी। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर सार्वजनिक बहस जारी है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष (सोनिया गांधी) ने आठ सितंबर को एक लेख लिखा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने चार दिन बाद इस पर प्रतिक्रिया दी। लेकिन उनके जवाब में उठाई जा रही मुख्य चिंताओं का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने कहा, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन जल्दबाजी में किया गया, अधूरा और त्रुटिपूर्ण था। परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद आगे के प्रभाव अध्ययनों को अनिवार्य करना इसकी सीमाओं को दर्शाता है। यह आश्चर्यजनक है कि यह आकलन इसके लिए संदर्भ शर्तें जारी होने से पहले ही शुरू हो गया था। रमेश के अनुसार, यह परियोजना निस्संदेह ग्रेट निकोबार के आदिवासी समुदायों को अस्त-व्यस्त और विस्थापित करेगी और उनके अस्तित्व तथा कल्याण के लिए खतरा पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि यह सभी मौजूदा नियमों, नीतियों और कानूनों के विरुद्ध होगा।

कांग्रेस महासचिव का कहना है कि शोम्पेन समुदाय और निकोबारी लोगों का अध्ययन करते हुए अपना पूरा पेशेवर जीवन बिताने वाले विशेषज्ञों की वीडियो रिपोर्ट को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। यह विचार कि अतिरिक्त क्षेत्रों को जनजातीय आरक्षित क्षेत्रों के रूप में अधिसूचित करने से विमुक्त किए जा रहे क्षेत्रों की क्षतिपूर्ति हो जाएगी, स्वदेशी लोगों की ज़रूरतों के साथ-साथ ग्रेट निकोबार की जैव-भूभौतिकीय विविधता के बारे में समझ की कमी को दर्शाता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक जड़कर मंधाना फिर बनी दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एक दिवसीय मैच में अर्धशतक जड़ने के दम पर मंगलवार को जारी आईसीसी की महिला बल्लेबाजों की नवीनतम वनडे रैंकिंग में नंबर एक स्थान फिर से हासिल कर लिया।

मंधाना ने मुल्लांपुर में तीन मैचों की शृंखला के पहले मैच में 63 गेंदों पर 58 रन बनाए, लेकिन उनका यह प्रयास टीम को जीत नहीं दिला पाया और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर 1-0 की बढ़त बना ली। वनडे में फिर से दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बनने से मंधाना का 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा। मंधाना के लिए यह अर्धशतक काफी था जिससे उन्हें सात रेटिंग अंक मिले और वह इंग्लैंड की दिग्गज खिलाड़ी नैट साइवर-ब्रंट से चार अंक आगे हो गईं, जो दूसरे स्थान पर खिसक गईं। मंधाना के 735 जबकि साइवर-ब्रंट के 731 रेटिंग अंक हैं। मंधाना पहली बार 2019 में दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनी थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 64 रन बनाने वाली सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल चार स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि शीर्ष क्रम की बल्लेबाज हरलीन देओल 54 रन की पारी की बदौलत 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी नाबाद 77 रन की पारी की बदौलत तीन स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एनाबेल सदरलैंड (चार स्थान ऊपर) और फोबे लिचफील्ड (13 स्थान ऊपर) ने अर्धशतक जड़कर संयुक्त रूप से 25वां स्थान हासिल कर लिया है। इस मैच को उनकी टीम ने आठ विकेट से जीता था। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज किम गार्थ और स्पिनर अलाना किंग एक-एक स्थान के सुधार के साथ एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर पहुंच गयी हैं, जो उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

पहले वनडे में एक विकेट लेने वाली भारतीय स्पिनर स्नेह राणा पांच पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन नंबर एक गेंदबाज़ बनी हुई हैं।

इस वर्ष मैं बेहतर खिलाड़ी बन गई हूं : वैशाली

समरकंद (उज्बेकिस्तान)/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने कहा कि यहां फिडे ग्रैंड स्विस खिताब उनके लिए महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है क्योंकि लगातार सुधार के प्रयासों के बावजूद पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वैशाली लगातार दूसरी बार यह प्रतियोगिता जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई है। उन्होंने इस जीत से 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के अलावा अगले वर्ष के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी स्थान हासिल किया। वैशाली से जब 2023 में मिली जीत और हाल जीत के बीच में तुलना करने के लिए कहा तो उन्होंने कहा, ''यह कहना मुश्किल है कि कौन सी जीत बेहतर थी। 2023 में जब मैं संघर्ष कर रही थी तब मुझे जीत हासिल हुई थी और उसके बाद काफी चीज पटरी पर आ गई थी।'' दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी के बाद वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने वाली तीसरी भारतीय बनीं। वैशाली ने कहा, ''पिछले दो वर्षों में मुझे काफी अनुभव हासिल हुआ। इस बीच कई ऐसे मुश्किल क्षण आए जिन्होंने मुझे एक खिलाड़ी और एक इंसान के रूप में मजबूत बनाया। अब मैं पहले से बेहतर खिलाड़ी बन गई हूं।''

सुविचार

जो लोग खुद पर विश्वास करते हैं, वे ही दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक लड़ाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन से जाहिर कर दिया है कि ड्रग्स और उनसे पैदा होने वाली समस्याओं के खात्मे के लिए सरकार और ज्यादा सख्त कदम उठाने वाली है। शाह ने ड्रग्स विनष्टीकरण अभियान की शुरुआत कर उन लोगों को भी कड़ा संदेश दिया है, जो इस जहर के धंधे में शामिल हैं। ऐसे लोग किसी भी तरह की नरमी के हकदार नहीं हैं। यूं तो हर चीज का नशा नुकसानदेह होता है, लेकिन ड्रग्स का नशा विनाशकारी है। यह मनुष्य की बुद्धि और चेतना को नष्ट कर देता है। जिस समाज में ड्रग्स के नशे का प्रवेश हो जाता है, वह उसे दीमक की तरह खाने लगता है। कुछ देशों में तो ड्रग्स रखने, बेचने और सेवन करने पर मृत्युदंड दे दिया जाता है। केंद्र सरकार 'विकसित भारत' का निर्माण करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। विभिन्न क्षेत्रों में नागरिक इसमें सहयोग कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग चंद रुपयों के लालच में आकर युवाओं को नशे के दलदल में धकेल रहे हैं। आज गांवों से लेकर महानगरों तक ऐसे कई युवा मिल जाएंगे, जो अपने क्षेत्रों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन उन्हें ड्रग्स की ऐसी लत लगी कि खुद को तबाह कर लिया। केंद्रीय गृह मंत्री के इन शब्दों से उन युवाओं के लिए चिंता प्रकट होती है कि 'किसी भी देश की नींव उसकी युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली नस्लें ही खोखली हो जाएंगी तो हम रास्ते से भटक जाएंगे।'

ड्रग्स का यह जहरीला धंधा एक खास नेटवर्क की मदद से चलता है। प्रायः ये पदार्थ विदेशों से तस्करी के जरिए भारत में लाए जाते हैं। इसके बाद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक इनका वितरण किया जाता है। वहां से छोटे-छोटे ठिकानों तक लाकर इन्हें लोगों तक पहुंचाया जाता है।

ड्रग्स का यह जहरीला धंधा एक खास नेटवर्क की मदद से चलता है। प्राय: ये पदार्थ विदेशों से तस्करी के जरिए भारत में लाए जाते हैं। इसके बाद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक इनका वितरण किया जाता है। वहां से छोटे-छोटे ठिकानों तक लाकर इन्हें लोगों तक पहुंचाया जाता है। इस नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के कई तरीके हैं, जिन पर संबंधित एजेंसियां काम कर रही हैं। डार्कनेट, क्रिप्टो करेंसी, कम्युनिकेशन पैटर्न, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल फ्लो का विश्लेषण और मशीन लर्निंग मॉडल जैसी तकनीकों को अपनाने से ड्रग्स के धंधे पर काफी हद तक लगाम लग सकती है। हालांकि ड्रग्स तस्कर नए तरीके ढूंढ़ रहे हैं। पाकिस्तान के रास्ते ड्रग्स की तस्करी में ड्रोन का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में कई बार ऐसे ड्रोनों को धराशायी किया है। ड्रग्स के उत्पादन से लेकर इन्हें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रक्रिया खासी लंबी होती है। अगर एजेंसियां अधिक सतर्कता से काम करते हुए रणनीति बनाएं तो नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसा जा सकता है। हाल में सोशल मीडिया पर अमेरिकी एजेंसियों द्वारा इस्तेमाल किए गए एक तरीके की काफी चर्चा थी, जिसके तहत उन्होंने उस नेटवर्क में अपने अधिकारियों की घुसपैठ करवा दी थी। ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाए गए, जिनके बारे में दावा किया गया कि ये ड्रग्स के धंधे के लिए समर्पित हैं और पूरी तरह सुरक्षित हैं। जब उनसे अपराधी जुड़ने लगे तो उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी। कुछ समय बाद जब काफी अपराधी जुड़ गए तो उन्हें एकसाथ गिरफ्तार कर लिया गया! भारत में एजेंसियों को स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास खास ध्यान रखना चाहिए। वहां अपने भरोसेमंद लोगों का गुप्त नेटवर्क तैयार करना चाहिए, ताकि ड्रग्स के सौदागर कदम जमा ही न सकें और तुरंत पकड़े जाएं। हमारे देश में इस जहर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज करौली जिले के पदमपुरा में राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कर समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। यह भवन क्षेत्रवासियों के लिए सुलभ, सशक्त और सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-दीया कुमारी

भारत ने हमेशा शांति, नैतिकता और सत्य की बात की है। वसुधैव कुटुंबकम के ध्येय के साथ हम विश्व को अपना परिवार मानते हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि आज -ख के माध्यम से हम भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा को दुनिया तक पहुँचाएं।

-ओम बिरला

राजकोट की यात्रा का वह प्रसंग, जब मोदी जी ने यह संवेदनशील सीख दी कि संगठन में स्वयं से पहले कार्यकर्ताओं का ध्यान रखना चाहिए। उनकी वह सीख आज मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। यही संगठन की आत्मा है और यही मोदी जी की सबसे बड़ी शिक्षा है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

महानता की आभा

चीन की एक प्रसिद्ध बोधकथा है। वहां एक ज़ेन गुरु थे जो अपने शिष्यों को अध्यात्म के साथ-साथ तलवारबाज़ी का भी प्रशिक्षण देते थे। एक दिन उनके एक शिष्य ने पूछा, 'गुरुजी, सबसे महान तलवारबाज़ कौन होता है?' गुरु मुस्कुराए और बोले, 'इस पहाड़ी के पार एक विशाल चट्टान है। जाओ और उसका अपमान करो। फिर जब वह कोई प्रतिक्रिया न दे, तो उस पर अपनी तलवार से प्रहार करना।' शिष्य ने चौंककर कहा, 'गुरुजी, इससे तो मेरी तलवार ही टूट जाएगी, चट्टान को कोई क्षति नहीं पहुंचेगी।' गुरु शांत भाव से बोले, 'ठीक इसी में महानता छिपी है। जो व्यक्ति चट्टान की भांति अडिग, शांत और अजेय हो, वही सच्चा तलवारबाज़ है। उसे अपनी शक्ति जताने के लिए तलवार निकालनी नहीं पड़ती उसका व्यक्तित्व ही सामने वाले को स्पष्ट कर देता है कि उस पर विजय संभव नहीं।'

सामयिक

पांडुलिपियाँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि ज्ञान कभी स्थिर नहीं रहता। उसे समयानुकूल सुरक्षित, संरक्षित और साझा करना आवश्यक है। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारी धरोहर केवल संग्रहालयों में बंद रह जाएगी और दुनिया उससे वंचित रह जाएगी। डिजिटलीकरण उस सेतु का काम करेगा जो अतीत की गहराई को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ता है।

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण : भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

भारत एक ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद, गणित, खगोल, साहित्य और संगीत तक, हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा, अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है।

भारतीय पांडुलिपियाँ केवल कागज़ या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं, परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, खगोल, दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं।

दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित कर दिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ, जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे, तो दुनिया उसे हड़प लेगी।

यही वह संदर्भ है जिसमें डिजिटलीकरण का महत्व बढ़ जाता है। जब कोई पांडुलिपि डिजिटल रूप में दर्ज होगी तो उसका स्रोत और स्वामित्व स्थायी रूप से भारत के नाम पर रहेगा। यह बौद्धिक चोरी को रोकने का सबसे प्रभावी साधन होगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से पांडुलिपियाँ सुरक्षित रहेंगी। समय, नमी, कीड़े और तापमान परिवर्तन से कागज़ व ताड़पत्र पर लिखी पांडुलिपियाँ क्षरण का शिकार होती हैं। डिजिटलीकरण उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि डिजिटलीकृत सामग्री दुनिया भर के शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। भारत का ज्ञान केवल संग्रहालयों की अलमारियों में बंद न रहकर वैश्विक मंच पर जीवंत रूप में सामने आएगा।

यह कार्य आसान नहीं है। भारत में अनुमानतः पचास लाख से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। वे अलग-अलग भाषाओं और लिपियों में लिखी गई हैं- संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, अरबी, फ़ारसी और अन्य भाषाओं में। कई लिपियाँ अब प्रचलन से बाहर हैं। उन्हें पढ़ना, समझना और डिजिटलीकरण करना विशेषज्ञता की मांग करता है। प्रामाणिकता बनाए रखना भी चुनौती है। अनुवाद या डिजिटल स्कैनिंग के दौरान यदि त्रुटियाँ रह गईं तो मूल ज्ञान विकृत हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े कार्य के लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित विशेषज्ञ और आधुनिक तकनीक की भी भारी आवश्यकता होगी। सरकार ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन जैसी पहल की है, जो सराहनीय कदम है। परंतु यह कार्य केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इसमें भागीदारी करनी होगी। आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें न केवल डिजिटलीकरण को आसान बना सकती हैं, बल्कि डेटा की सुरक्षा और खोजने की प्रक्रिया को भी विश्वसनीय बना सकती हैं।

यहाँ हमें वैश्विक अनुभव से भी सीखना चाहिए। यूरोप में यूरोपिना परियोजना के तहत लाखों दस्तावेज और कला कृतियाँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई गईं। अमेरिका और जापान ने भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण कर उसे वैश्विक स्तर पर साझा किया। इन प्रयासों ने उन देशों की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया। भारत यदि इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाता है, तो वह न केवल अपनी धरोहर को बचा सकेगा बल्कि विश्व को यह दिखा सकेगा कि ज्ञान की वास्तविक जन्मभूमि कहाँ है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भूपेन हजारिका का भी स्मरण किया। यह स्मरण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरी प्रतीकात्मकता रखता है। हजारिका ने अपने गीतों और संगीत के माध्यम से असम और भारत की आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचनाएँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का स्रोत थीं। वे हमें यह बताते हैं कि संस्कृति जीवित रहे तो समाज जीवित रहता है। जिस प्रकार हजारिका की रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देंगी, उसी प्रकार पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण हमारी बौद्धिक स्मृतियों को अमर बनाएगा। इस संदर्भ में यह भी समझना होगा कि डिजिटलीकरण केवल संरक्षण का कार्य नहीं है। यह राष्ट्रीय पुनर्जागरण का अभियान है। जब हम अपने ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ेंगे, तब हम आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न को साकार करेंगे, जिसमें परंपरा और नवाचार दोनों साथ चलते हैं। यह न केवल हमारी पहचान को सुदृढ़ करेगा बल्कि हमें वैश्विक मंच पर ज्ञान के वास्तविक स्वामी के रूप में स्थापित करेगा। यह ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी बड़ा कदम होगा।

आज की दुनिया में प्रतिस्पर्धा केवल आर्थिक संसाधनों या सैन्य शक्ति की नहीं है। प्रतिस्पर्धा इस बात की भी है कि किसके पास अधिक मौलिक ज्ञान और बौद्धिक संपदा है। यदि भारत अपनी पांडुलिपियों को डिजिटलीकृत कर उनका पेटेंट और स्वामित्व सुरक्षित कर लेता है, तो वह बौद्धिक संपदा की इस वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बन सकता है। इसके अलावा, यह हमारी युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी साधन बनेगा। जो पीढ़ी आज इंटरनेट और मोबाइल की दुनिया में पल रही है, उसे तभी अपनी परंपरा से वास्तविक परिचय मिलेगा जब वह उसे डिजिटल रूप में देखेगी, पढ़ेगी और समझेगी।

पांडुलिपियाँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि ज्ञान कभी स्थिर नहीं रहता। उसे समयानुकूल सुरक्षित, संरक्षित और साझा करना आवश्यक है। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारी धरोहर केवल संग्रहालयों में बंद रह जाएगी और दुनिया उससे वंचित रह जाएगी। डिजिटलीकरण उस सेतु का काम करेगा जो अतीत की गहराई को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ता है। निस्संदेह, पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण एक लंबा और कठिन कार्य है। परंतु यह वही कार्य है जिससे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और बौद्धिक स्वाभिमान जुड़ा हुआ है। यह केवल किताबों और कागज़ों को सुरक्षित रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारी आत्मा और पहचान को बचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कि डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा, समय की पुकार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, समाज और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर इसे राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें। पांडुलिपियाँ हमारी स्मृति हैं। उनका डिजिटलीकरण हमें यह विश्वास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की भूमि नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा भी है। जब हम अपने ज्ञान को संरक्षित करेंगे और उसे आधुनिक तकनीक से दुनिया तक पहुँचाएँगे, तब सचमुच भारत उस स्थान पर पहुँचेगा जहाँ वह सदियों से होना चाहिए था-ज्ञान का वैश्विक नेतृत्वकर्ता।

नजरिया

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है।

पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्णकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांगलिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निर्माता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाला, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋण सहायता दी जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे ने शराब घोटाले से अर्जित 1000 करोड़ रुपए का प्रबंधन किया : ईडी

रायपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी अभियोजन शिकायत में दावा किया है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल राज्य में 'शराब घोटाले' के पीछे के गिरोह के मुखिया रहे और उन्होंने इस घोटाले से अर्जित लगभग 1000 करोड़ रुपए का व्यक्तिगत रूप से प्रबंधन किया।

ईडी ने सोमवार को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (षष्टम) डमरुधर चौहान की अदालत में दायर अपनी चौथी पूरक अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में दावा किया कि चैतन्य ने जानबूझकर अपराध से अर्जित आय को छिपाने, कब्जे में लेने, अधिग्रहण करने और इसका उपयोग करने में सहायता की और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ साजिश रची।

कथित तौर पर 2,500 करोड़ रुपए से अधिक का शराब घोटाला 2019 और 2022 के बीच हुआ था, जब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का शासन था। ईडी ने अब तक इस मामले में एक अभियोजन शिकायत और चार पूरक अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं और दावा किया है कि कथित घोटाले के परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को 'भारी नुकसान' हुआ और एक शराब गिरोह के लाभार्थियों की जेबें भरी गईं।

सोमवार को दायर अभियोजन शिकायत में ईडी ने कहा कि 2019 में छत्तीसगढ़ में नई (कांग्रेस) सरकार के गठन के बाद, एक संगठित शराब गिरोह बनाया गया था। इस गिरोह के दिन-प्रतिदिन के संचालन को संभालने के लिए, तत्कालीन आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और व्यवसायी अनवर ढेबर (दोनों को मामले में ईडी द्वारा दायर पिछली अभियोजन शिकायतों में आरोपी के रूप में नामित किया गया है) का चयन किया गया था।

अभियोजन शिकायत में कहा गया है, ''इस 'सिंडिकेट' (गिरोह) में शीर्ष स्तर पर चैतन्य का नियंत्रण था, और उसकी भूमिका केवल प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और निर्णायक भी थी। वह सिंडिकेट द्वारा एकत्रित सभी अवैध धन का 'हिसाब' रखने के लिए जिम्मेदार था। धन के संग्रह और वितरण से संबंधित सभी बड़े फैसले उसके (चैतन्य के) निर्देशों के तहत लिए जाते थे। मुख्यमंत्री के बेटे के रूप में उनकी स्थिति ने उन्हें सिंडिकेट का नियंत्रक बना दिया।''

इसमें कहा गया है, ''जांच से यह भी पता चला है कि चैतन्य बघेल अपराध की आय के प्राप्तकर्ता हैं, जिसे उन्होंने अपनी रियल एस्टेट परियोजना में लगाया है और वे इस प्रकार विकसित की गई इन संपत्तियों को बेदाग संपत्ति के रूप में पेश कर रहे हैं और उन पर दावा कर रहे हैं।'' अभियोजन शिकायत में कहा गया है कि जांच से पहले ही पता चला है कि अपराध की आय का एक बड़ा हिस्सा लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू नामक व्यक्ति द्वारा एकत्र किया जा रहा था, जिसने ईडी के समक्ष अपने बयान में खुलासा किया है कि उसने चैतन्य के साथ मिलकर शराब घोटाले से अर्जित एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की आय को संभाला था।

इसमें कहा गया है कि उन्होंने (बंसल ने) स्पष्ट रूप से कहा है कि चैतन्य के निर्देश पर, 2019 से 2022 के बीच की अवधि में कांग्रेस के राज्य इकाई के तत्कालीन कोषाध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल और अन्य को बड़ी मात्रा में नकदी पहुंचाई गई थी। अभियोजन शिकायत में कहा गया है कि बंसल कथित तौर पर दीपेन चावड़ा के माध्यम से अनवर ढेबर से अपराध की यह आय एकत्र करते थे और उसके बाद चैतन्य के समन्वय से ये धनराशि राम गोपाल अग्रवाल तक पहुंचाई जाती थी।

दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में चीन और फिलीपीन के जहाज टकराने से तनाव बढ़ा

बीजिंग/एपी। चीन के तटरक्षकों ने फिलीपीन के एक जहाज पर मंगलवार को स्कारबोरो शोआल के निकट अपने एक जहाज को जानबूझकर टक्कर मारने का आरोप लगाया। स्कारबोरो शोआल दक्षिण चीन सागर में स्थित एक विवादित क्षेत्र है, जिसपर दोनों देश अपना दावा जताते हैं।

तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि विभिन्न दिशाओं से आए फिलीपीन सरकार के 10 से अधिक जहाज शोआल के पास जलक्षेत्र में दाखिल हुए। बल ने कहा कि उसने जहाजों के खिलाफ पानी की बौछारें करने वाले वाहन तैनात किए।

शपथ

पटना महिला महाविद्यालय की छात्राएँ मंगलवार को विश्व ओज़ोन दिवस के अवसर पर पटना में शपथ लेती हुईं।

रूस ने बेलारूस के साथ सैन्य अभ्यास में परमाणु शक्ति का प्रदर्शन किया

मास्को/एपी। रूस ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान अपनी पारंपरिक और परमाणु सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे पूर्वी यूरोप में नाटो के साथ तनाव और गहरा हो गया। हाल के सप्ताहों में कई घटनाओं ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। इनमें पोलैंड में रूसी ड्रोन के प्रवेश को वहां के अधिकारियों ने जानबूझकर किया गया उकसावा करार दिया है। इसके जवाब में नाटो ने अपने पूर्वी हिस्से में वायु रक्षा तंत्र को मजबूत किया है। रूस और बेलारूस के बीच लंबे समय से नियोजित इस संयुक्त सैन्य अभ्यास ''जापाद 2025'' में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बमवर्षकों, युद्धपोतों, हजारों सैनिकों और सैकड़ों युद्ध वाहनों ने भाग लिया।

ज्वालामुखी राख की परतों से मानव विकास की समयरेखा को समझने में मिली अहम जानकारी

मेलबर्न। मनुष्य कैसे मानव बने? यह समझना कि हमारे पूर्वज कब, कहाँ और किन पर्यावरणीय परिस्थितियों में रहते थे, मानव विकास की पहेली को सुलझाने का आधार है। दुर्भाग्य से, प्रारंभिक मानव विकास की समयरेखा को निर्धारित करना लंबे समय से कठिन रहा है - लेकिन पूर्वी अफ्रीका में प्राचीन ज्वालामुखी विस्फोट इसकी कुंजी हो सकते हैं। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित हमारा नया अध्ययन, केन्या के तुर्काना बेसिन में ज्वालामुखी राख की परतों के बारे में हमारी जानकारी को और पुष्ट करता है। इस स्थान पर कई प्रारंभिक मानव जीवाश्म मिले हैं।

इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने केन्या के तुर्काना बेसिन की नारिओकोटोमे टफ्स नामक राख की तीन परतों का उच्च-परिशुद्धता से विश्लेषण किया है। यह क्षेत्र मानव विकास संबंधी अनुसंधानों के लिए विश्व के सबसे महत्वपूर्ण स्थलों में से एक माना जाता है।

हमने उच्च-सटीक आयु अनुमान प्रदान किए हैं, जो मानव विकास की एक अधिक परिष्कृत समय-सीमा स्थापित करने की दिशा में एक छोटा सा कदम है।

लाखों वर्षों के ज्वालामुखी विस्फोट कई खुलासे कर सकते हैं। पूर्वी अफ्रीका में ग्रेट रिफ्ट वैली कई विश्व-प्रसिद्ध जीवाश्म स्थलों का घर है। इनमें से, तुर्काना बेसिन प्रारंभिक मानव उत्पत्ति अनुसंधान के लिए संभवतः सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह क्षेत्र एक सक्रिय टेक्टोनिक प्लेट सीमा - एक महाद्वीपीय दरार - के भीतर भी स्थित है, जिसने लाखों वर्षों से ज्वालामुखी विस्फोटों को जन्म दिया है। प्रारंभिक मानव और उनके मानव पूर्वज इन रिफ्ट वैली परिदृश्यों में विचरण करते थे। ज्वालामुखी विस्फोटों ने भूमि को राख के कणों से ढक दिया, जिससे उनके अवशेष दब गए।

समय के साथ, कई जीवाश्म परतें ज्वालामुखीय राख परतों के बीच दब गई हैं। आज पुरातत्वविदों के लिए, ये परतें भूवैज्ञानिक समय-चिह्नों के रूप में अमूल्य हैं, कभी-कभी विशाल क्षेत्रों में। वैज्ञानिकों का कहना है कि राख की ये परतें भूवैज्ञानिक समय के सटीक संकेतक हैं, क्योंकि ज्वालामुखी विस्फोट बेहद कम समय में होते हैं और इनके दौरान बनने वाले खनिज, जैसे फेल्डस्पार, को रेडियोमेट्रिक डेटिंग से समय का अनुमान लगाया जा सकता है।

पुरी में समुद्र तट के पास छात्रा से सामूहिक बलात्कार मामले के चौथे आरोपी की तलाश जारी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी में समुद्र तट के पास दलित छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के मामले के एक और आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने बताया कि 19 वर्षीय युवती अपने प्रेमी के साथ बलिहारचंडी मंदिर के पास बैठी थी तभी स्थानीय युवकों के एक समूह ने उनकी तस्वीरें खीचीं और वीडियो बनाए और उन्हें डिलीट करने के बदले में पैसे मांगे।

सिंह ने बताया कि जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया तो दो युवकों ने युवती के साथ बलात्कार किया, जबकि अन्य ने उसके प्रेमी के साथ मारपीट की और उसे एक पेड़ से बांध दिया।

घटना शनिवार दोपहर के करीब हुई लेकिन शिकायत पुरी सदर थाने में सोमवार शाम को दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में सिबा साहू और मनोज साहू उर्फ कालिया शामिल हैं, जिन्होंने युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' कालिया को ओडिशा-आंध्र प्रदेश सीमा से गिरफ्तार किया गया।'' उन्होंने कहा, ''दोनों मुख्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीसरे व्यक्ति को पीड़िता और उसके प्रेमी पर हमला करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। चौथे व्यक्ति की भी तलाश जारी है जिसने पीड़िता पर हमला किया था।''

बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता और क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय दास बर्मा ने इस घटना को लेकर राज्य की भाजपा नीत सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार को बलिहारचंडी मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

इसी तरह की एक अन्य घटना में, 15 जून को गंजाम जिले के प्रसिद्ध गोपालपुर समुद्र तट पर कॉलेज छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। इस मामले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

स्टार प्लस ला रहा है नया शो 'माना के हम यार नहीं'

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए नया शो 'माना के हम यार नहीं' के साथ एक नई और ताज़ा कहानी लेकर आ रहा है। इस शो में मंजीत मक्कड़, कृष्णा का रोल निभा रहे हैं, दिव्या पाटिल शो में खुशी का रोल निभाते नजर आने वाली हैं। शो में दोनों की ज़िंदगियाँ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन किस्मत उन्हें मिलवा देती है। जहाँ खुशी मज़बूत और जिम्मेदार लड़की है, वहीं कृष्णा अपनापन और सादगी से भरे हुए हैं। दोनों मिलकर एक ऐसी कहानी बनाते हैं, जिसमें ढेर सारी भावनाएँ, मोड़ और नए रिश्ते देखने को मिलेंगे। हाल ही में आए प्रोमो में हमें खुशी और कृष्णा की दुनिया की झलक देखने मिलती है। खुशी एक ऐसी लड़की है जो अपने बीमार पिता का सहारा बनने के लिए कपड़े प्रेस करके गुज़ारा करती है। अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए वो एक बड़ा और अनोखा फैसला करते हुए कॉन्ट्रैक्ट ब्राइड (कॉन्ट्रैक्ट वाली दुल्हन) बनने के लिए इंटरव्यू देती है।वहीं दूसरी तरफ, कृष्णा को ऐसे इंसान के रूप में दिखाया गया है जो आसानी से हर किरदार में ढल जाता है, चाहे डॉक्टर हो, पुलिस वाला या अब दूल्हे की भूमिका। उनकी पहली मुलाकात कोर्टरूम में होती है, जिसे एक वकील ने तय किया है, जहां दोनों एक कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की शर्तों से बंध जाते हैं। खुशी के लिए यह कदम प्यार नहीं बल्कि जीने का सहारा है, जबकि कृष्णा का मस्तमौला अंदाज और चार्म इस रिश्ते में एक नया रंग भर देती हैं। शो माना के हम यार नहीं का प्रीमियर सात अक्टूबर को शाम सात बजे सिर्फ स्टार प्लस पर होगा।

मैं जो काम करता हूं, उसके लिए कोई उम्मीद नहीं रखता : मनोज वाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी इस बात से निराश नहीं हैं कि फिल्म जोरम और सिर्फ एक बंदा काफी है में उनके दो सबसे प्रशंसित प्रदर्शनों को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में खासी सराहना नहीं मिली। अभिनेता का कहना है कि वह जो काम करते हैं, उसके लिए कोई उम्मीद नही रखते हैं। चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वाजपेयी ने जोरम में फरार आदिवासी व्यक्ति दसरू की आकर्षक भूमिका के लिए फिल्म समीक्षकों के साथ ही प्रशंसकों से सराहना मिली। उन्होंने फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है में एक शक्तिशाली धर्मगुरु को चुनौती देने वाले वकील का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ संवाद के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

जीता। यह पूछे जाने पर कि क्या अपने अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार न जीत पाने से वह दुखी हैं, अभिनेता ने कहा कि उनके लिए इस सवाल का जवाब देना मुश्किल है।

वाजपेयी ने कहा, मैं अपने काम से, खासकर पुरस्कार समारोहों से, कुछ भी उम्मीद नहीं करता। सभी पुरस्कारों का स्तर गिर रहा रहे है, ये विश्वसनीयता खो रहे हैं। इसी वजह से, मैं कभी भी उम्मीद नहीं करता। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, एक बात जो कभी नहीं भूली जाएगी, वह यह है कि जोरम एक बेहतरीन फिल्म है, जिसे सभी स्वीकार करेंगे, यह एक ऐसा अभिनय है जिसे मैं देखना पसंद करूंगा। जब मैं इसे देखता हूं, तो मुझे लगता है कि यह मैं नहीं हूं। यही वह एहसास है जिसके लिए कोई जीता है, और ऐसा करने के लिए किसी ने बहुत खून-पसीना बहाया है। अभिनेता ने कहा कि कई पुरस्कार समारोहों ने अपना नजरिया बदल दिया है। उन्होंने कहा, लेकिन वे ऐसा ही चाहते हैं, मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैं कौन होता हूं इसकी शिकायत करने वाला? ये उनका पुरस्कार है, ये उनका फैसला है।

जोधपुर पहुंचे सोनू सूद, कहा, 'यहां आने पर अपनापन महसूस होता है'

जोधपुर/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए जोधपुर शहर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जोधपुर में आकर हमेशा एक खास अपनापन महसूस होता है। उन्होंने बताया कि वह पहले भी एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में जोधपुर आए थे और तब भी यहां के लोगों से जो स्नेह और प्यार मिला, वह कभी नहीं भूल सकते। इस बार भी यहां की मिट्टी, लोगों की गर्मजोशी और संस्कृति ने उन्हें फिर से वही एहसास दिलाया है कि यहां कुछ दिन और रुकने का मन करता है। मीडिया से बातचीत के दौरान सोनू सूद ने पंजाब में आई भीषण बाढ़ का भी जिक्र किया और बताया कि वहां हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पानी का स्तर अब जरूर कम हो रहा है, लेकिन असल चुनौतियां अब शुरू हो रही हैं। कई परिवारों के घर पूरी तरह टूट चुके हैं और उनके पास रहने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन लोगों की सूची तैयार की जा रही है ताकि प्राथमिकता के आधार पर उनके घरों की मरम्मत और पुनर्निर्माण कराया जा सके। सोनू सूद ने साथ ही बताया कि वे और उनकी टीम लगातार राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। समय के साथ जैसे-जैसे जरूरतें सामने आती जा रही हैं, वैसे-वैसे उन्हें आवश्यक सामग्री, राशन, कपड़े और रहने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने उन सभी लोगों का आभार भी जताया जो इस मुहिम में सहयोग कर रहे हैं और बिना रुके पीड़ितों की मदद कर रहे हैं।

कांग्रेस की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी, पद्मश्री पुरस्कार विजेता चेरुवायल के. रमन (एक पारंपरिक आदिवासी किसान) के साथ मंगलवार को वायनाड में आवश्यक विकास परियोजनाओं की जानकारी जुटाने के लिए अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र के एक सप्ताह के दौरे के दौरान तीरंदाजी में हाथ आजमाती हुईं।

'टू मच विद काजोल और ट्विंकल' का ट्रेलर लॉन्च

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना और काजोल दोनों मिलकर नया शो होस्ट कर रही हैं। इस टॉक शो का नाम है 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल'। आज इसका ट्रेलर लॉन्च कर दिया गया। इसके ट्रेलर को देखकर आपको करण जौहर के शो कॉफी विद करण की याद आ जाएगी। 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' में बॉलीवुड स्टार्स की दुनिया और उनकी फिल्मों की बातें होंगी। यहां वो फिल्म और अपने जीवन से जुड़ी कुछ मजेदार घटनाओं के बारे में बताते दिखाई देंगे। इसका ट्रेलर शेयर करते हुए मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कोई स्क्रिप्ट नहीं, कोई फिल्टर नहीं, वे बस बहुत मजे कर रहे हैं। नया टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' 25 सितंबर से प्राइम वीडियो पर देखें। इसके ट्रेलर में काजोल और ट्विंकल खन्ना का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है। दोनों अपने गेस्ट से मजेदार सवाल पूछती दिख रही हैं, जैसे कि सलमान खान से पूछा जाता है, आप शो का प्रचार कैसे करेंगे? तो सलमान खान 'ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार' कविता गाने लगते हैं।

ट्रेलर में आमिर खान भी दिखाई दिए हैं। आमिर और सलमान खान साथ में गेस्ट बनकर यहां आए और कुछ मजेदार गेम्स खेलते दिखाई दिए। इसके ट्रेलर में सलमान और आमिर की भाई वाली केमिस्ट्री दिखाई दी और करण और जाह्नवी की मजेदार नोकझोंक दिखाई दी। ट्रेलर में गोविंदा और चंकी पांडे का कॉमिक अंदाज भी नजर आ रहा है। इसका ट्रेलर दर्शकों को उनके पसंदीदा स्टार्स की दुनिया की एक झलक देता है। इसमें मस्ती, यादगार पल और मसालेदार गॉसिप-लिंक-अप की बातें होंगी। काजोल ने इस शो के लॉन्च के मौके पर कहा था कि यह शो उनके लिए दोस्तों से मिलने जैसा था, लेकिन दर्शकों के लिए यह अपने पसंदीदा सितारों को एक ऐसे तरीके से देखने का, उनको करीब से जानने का मौका होगा।

शो की गेस्ट लिस्ट में सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, विक्की कौशल, गोविंदा, जाह्नवी कपूर और कई बड़े बॉलीवुड स्टार्स शामिल हैं। इस शो का प्रीमियर 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। हर गुरुवार को इसका नया एपिसोड जारी किया जाएगा।

मिस वर्ल्ड से हेल्थ वर्ल्ड तक: मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लॉन्च किया सोमा वेलनेस

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने हेल्थ-केयर के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप की घोषणा करते हुए, मुंबई में 'सोमा वेलनेस' नाम की एक उन्नत रीजनरेटिव मेडिसिन और वेलनेस सेंटर की स्थापना की है। इस पहल को उन्होंने अपने पिता और प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मित्रा बसु छिल्लर के साथ मिलकर शुरू किया है, जो इस क्लिनिक के मेडिकल डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा की पढ़ाई में मजबूत अकैडमी बैकग्राउंड और स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी रुचि रखने वाली मानुषी, डॉक्टर बनने की राह पर थीं जब उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता।

अब उनका का लक्ष्य ग्लोबल मेडिकल विशेषज्ञता को भारतीय स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है। 'सोमा वेलनेस' भारत में वैज्ञानिक प्रमाणित रीजनरेटिव मेडिसिन उपचार पेश करता है जो पहले केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट के प्रमुख केंद्रों में ही उपलब्ध थे। 'सोमा वेलनेस' का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपचार प्रणाली प्रदान करना है, इसका फोकस केवल लक्षणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे जाकर लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ देने पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं: पुरानी बीमारियों का निवारण, हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाना, वज़न और उम्र से संबंधित समस्याओं का प्रबंधन, जीवन शक्ति और लंबे समय तक स्वास्थ्य की बहाली।

प्रत्येक क्लाइंट की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिसमें

ब्लड प्रोफाइल, एलर्जी और इनटोलरेंस परीक्षण, जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट कारकों का विश्लेषण शामिल होता है। इसके आधार पर क्लिनिक एक कस्टमाइज प्लान तैयार करता है जिसमें न्यूट्रीशन, लाइफ-स्टाइल और लक्षित उपचारों (इलाज) को शामिल किया जाता है, जिससे एक ही बीमारी वाले दो व्यक्तियों को एक जैसे इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती।

सोमा वेलनेस पर मानुषी छिल्लर ने अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा: सोमा मेरे लिए एक जुनून से जुड़ा प्रोजेक्ट रहा है। मैं अपने पिता को दशकों के अभ्यास से मेडिकल साइंस के ज़रिए लोगों का जीवन बेहतर बनाते हुए देखा है, और वहीं से मैंने सीखा है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है।

भारत को ऐसी विश्वस्तरीय, वैज्ञानिक प्रमाणित वेलनेस केयर की ज़रूरत है जो केवल शरीर नहीं, मन और इतिहास - को ध्यान में रखे। सोमा में, हम प्रत्येक व्यक्ति के लिए वैज्ञानिक तरीकों से तैयार किए गए इलाज के साथ इस सोच को साकार कर रहे हैं। एक मेडिकल स्टूडेंट के तौर पर, मैं सोमा की यात्रा में लगातार योगदान देने की योजना बना रही हूं। निवारक और रीजनरेटिव मेडिसिन में तीन दशकों से अधिक के अनुसंधान और प्रैक्टिस पर आधारित 'सोमा वेलनेस' ने बहुत कम समय में खुद को भारत में एक अनोखे स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है। अब तक ऐसे कई मरीज यहाँ आ चुके हैं जो पहले इन उपचारों के लिए विदेश जाते थे।

वहीं, कई अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट भी अब 'सोमा'की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जहां उन्हें कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला इलाज मिल रहा है। इनोवेशन, सम्पूर्ण देखभाल और उन्नत मेडिकल साइंस को एक साथ मिलाकर 'सोमा वेलनेस' भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतिनिधित्व करता है, और यह मानुषी छिल्लर के ग्लोबल ब्यूटी आइकॉन से एक समर्पित हेल्थकेयर एंटरप्रेन्योर बनने की सफल यात्रा को भी दर्शाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 17-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया ' की ओर से पहचान सीजन 5 के तहत दो दिवसीय मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी 'हुनर के रंग, अपनों के संग' की शुरुआत मंगलवार को वीवी पुरम स्थित त्रिशला रेजीडेंसी में हुई।

एफपीटीए की साधारण सभा में उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए प्रवीण लुंकड़

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय कागज व्यापारी महासंघ(एफपीटीए) की साधारण सभा व सम्मेलन कॉटनपेट स्थित कागज़ भवन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन (केपीएमएसए) के अध्यक्ष प्रवीण कुमार को वर्ष 2025-26 के लिए एफपीटीए का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया, जिन्हें औपचारिक रूप से शपथ दिलाई गई। इसी मौके पर सम्मेलन में टैक्सेशन सत्र का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता एफपीटीए टैक्सेशन कमेटी के संयोजक कृष्ण मोहन गुप्ता ने की।

इस सत्र में कागज़ व्यापारियों के साथ-साथ नोटबुक निर्माता, स्टेशनर्स तथा वेडिंग कार्ड निर्माता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कागज उद्योग संबंधित कर-व्यवस्था की जानकारी दी। बैठक में केपीएमएसए के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, सचिव शिवराम ईआवु, संयुक्त सचिव हुलाश कुमार, महावीर चोरड़िया टैक्सेशन चेयरमैन प्रभाकर तथा वरिष्ठ सदस्य पुट्टाराजु सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कामधेनु गौशाला ट्रस्ट ने तपस्वियों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कामधेनु गौशाला ट्रस्ट परिवार ने उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी के सान्निध्य में ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र में पर्युषण के दौरान तपस्या करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया। गौशाला ट्रस्ट की अध्यक्ष राजवंती संचेती ने गुरु का गुणगान किया व तप-संयम की महिमा पर प्रकाश डालते हुए सभी का स्वागत किया। चेयरपर्सन शारदा चौधरी ने गौशाला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शीघ्र ही महावीर कामधेनु एनिमल हॉस्पिटल का भूमिपूजन किया जाएगा।

चौधरी ने हॉस्पिटल की अनेक योजनाओं के बारे में बताया। अरुणा जैन और मोनिका कुमट ने बारी बारी से मंच संचालन किया और गौ महिमा पर आधारित नाटिका की प्रस्तुति दी। तप अनुमोदना कार्यक्रम में 36 दिन के उपवास, मासखमण, वर्षीतप, अट्ठाई तप, निगोद निवारण, खीरसमुद्र तप, ओली तप के तपस्वियों का ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सम्मान किया।

सर्वाइकल टीकाकरण शिविर में 49 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । माहेश्वरी सेवा समिति, साउथ द्वारा रविवार को सर्वाइकल टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 49 लोगों का टीकाकरण किया गया। यह शिविर अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर मुक्त समाज का निर्माण करना है। इस परियोजना का समन्वयन नारायण चांडक, सचिन मूंदड़ा तथा सुनीता मालपानी द्वारा किया गया। शिविर का संचालन डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. चंद्रिका, डॉ. कविता, डॉ. हिरानी तथा डॉ. चंद्रा के मार्गदर्शन में किया गया। समिति की ओर से शिविर में कांता सोमानी सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

जैन युवा संगठन द्वारा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन युवा संगठन द्वारा संगठनात्मक एकता, टीम भावना एवं बॉन्डिंग को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से 'एसिटिस मांडोत कप' बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जिसमें कुल 6 टीमों ने भाग लिया। अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत कर किया। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने टूर्नामेन्ट की जानकारी दी। प्रायोजक पवन मांडोत ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को उत्साह और ऊर्जा देते हैं। उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, सहमंत्री दीपेश धोखा और कोषाध्यक्ष विनय गांधी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस टूर्नामेंट में पवन मांडोत के स्वामित्व वाली एसिटिस सुपर किंग्स, अनुराग ललवानी की ललवानी सुपरकिंग्स, संतोष डूंगरवाल की महाराजा वॉरियर्स, शैलेन्द्र मोगरा की रॉयल लायन चैलेंजर्स, महावीर मुणोत की नवकार टाइटंस व मदन मुणोत की मैगनस वॉरियस टीम शामिल थी।ङ्गटूर्नामेंट का फाइनल मैच ललवानी सुपर किंग्स और मैगनस वॉरियर्स टीम के बीच खेला गया जिसमें ललवानी सुपर किंग्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मांडोत कप पर कब्जा किया। मैगनस वॉरियर्स टीम उपविजेता रही। मैन ऑफ दि सीरीज़ नमन ललवानी को चुना गया। संयोजक भरत रुणवाल ने संयोजन किया। रितेश धोका ने संचालन किया। इस प्रतियोगिता में अनेक पदाधिकारी व सदस्य परिवार उपस्थित थे।

सामूहिक गणपति शोभा यात्रा में गूंजा हिन्दुत्व का नारा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल विजयनगर द्वारा रविवार को विशाल सामूहिक गणपति शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लक्ष्मणनाथ स्वामी, बसवा माधवचैनय्या स्वामी, पूर्व विधान परिषद सदस्य अश्वत्थनारायण, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, पूर्व पार्षद रवींद्र, हिंदू कार्यकर्ता रघु आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संत महात्माओं एवं अतिथियों ने अपने वक्तव्य में हिंदुओं को संगठित होने की बात कही। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने हिंदू ध्वज लहरा कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में हिंदू संगठन गणेश प्रतिमाओं को लेकर पहुंचे। पूरी शोभायात्रा 'गणपति बप्पा मोरया, हर हर महादेव, सनातन धर्म की जय हो' के जयकारों से गुंजायमान होती रही। शोभायात्रा में विभिन्न राजस्थानी हिंदू समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। आयोजक शिवकुमार ने अतिथियों को सम्मानित किया।

मोक्ष का मार्ग धर्म आराधना और संयम से ही संभव : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी जैन संघ में विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि इस अनादि संसार में प्रत्येक क्षण अनंत जीव उत्पन्न होते हैं। वे अपने-अपने आयुष्य कर्म के अनुसार जीवन जीते हैं और मृत्यु को प्राप्त होते हैं। किंतु इस संसार में मनुष्य के अंतःस्थल में वास्तविक सुख का अभाव है।

बाहरी साधनों और भौतिक उपलब्धियों से केवल सुख का आभास मिलता है, किन्तु वह स्थायी नहीं होता। उन्होंने कहा कि सुख की खोज करने वाले को निर्मोही बनना चाहिए। जब तक मनुष्य वस्तुओं, धन और बाहरी ऐश्वर्य में आसक्त रहेगा, तब तक वह क्षणभंगुर सुख के जाल में ही उलझा रहेगा। वास्तव में आत्मा में स्थित सुख ही शाश्वत है, और उसे पाने के लिए व्यक्ति को मोह-राग-द्वेष से ऊपर उठना होगा। साध्वी धैर्याश्री

ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। इस अवसर का दुरुपयोग केवल भोग-विलास और इंद्रिय-सुख में करना एक बड़ी भूल है। आत्मचिंतन और स्वाध्याय के माध्यम से ही व्यक्ति अपनी आत्मा की शक्ति को पहचान सकता है। वाणी, मन और आचरण में संयम रखने से आत्मा की शुद्धि होती है और कर्मों की निर्जरा संभव होती है। जैसे दीपक अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाता है, वैसे ही धर्म आराधना अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके आत्मा को जाग्रत करती है। इस मौके पर प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रवचन में चेयरमैन मीठालाल मकाणा अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली , मंत्री सज्ज्न बोहरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

श्रमण आरोग्यम योजना के तहत चातुर्मास स्थल पर होगी साधु साध्वियों की स्वास्थ्य जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ और नॉर्थ चैप्टर ने महावीर जैन अस्पताल के साथ मिलकर श्रमण आरोग्यम योजना के तहत स्वास्थ्य पर्व की शुरुआत की। इस पर्व का उद्देश्य बेंगलूरु में विराजित सभी साधु और साध्वियों को उनके चार्तुमास स्थलों पर व्यापक स्वास्थ्य जांच प्रदान करना है। इस पहल को आचार्य अभयशेखरसूरीजी, आचार्य श्री अरिहंतसागरजी, साध्वी संस्कारनिधिजी ने आशीर्वाद प्रदान किया। श्रमण आरोग्यम अपेक्स के उपाध्यक्ष पारस चोवटिया ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक 14 से अधिक संतों के मेडिकल कार्ड बनाए जा चुके हैं और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इस योजना के तहत जीतो एवं भगवान महावीर अस्पताल की टीम के सदस्य, डॉक्टर और स्टाफ चातुर्मास स्थल पर जाकर साधु और साध्वियों की विभिन्न स्वास्थ्य जांचें करेंगे तथा डॉक्टरी सलाह और मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इस पहल के लिए श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरन, जीतो साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी एवं नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने शुभकामनाएं दीं।

इस योजना की शुरुआत के मौके पर साउथ के उपचेयरमैन महेंद्र जियानी, महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, संयोजक महावीर दांतेवाड़िया, सहसंयोजक महेंद्र रांका, महावीर नागोरी, नॉर्थ संयोजक दिनेश खिवेंसरा, सहसंयोजक प्रवीण चौहान आदि उपस्थित थे।

विशाल ह्रदय रख कर लोगों की करें सेवा : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि सभी को सब कुछ अलग अलग मिलता है। सबको सब कुछ नहीं मिलता है। किसी का भाग्य तेज होता है तो किसी का भाग्य साथ नहीं देता है। कोई सुखी है तो कोई दुखी है। यह सब कर्मों की रेखा का ही खेल है। कर्म की रेखा टलती नहीं है। किसी मनुष्य का दिल बड़ा होता है तो किसी का छोटा होता है। बड़े दिल वाले सबके दिलों में होते हैं। चार प्रकार के मनुष्य होते हैं।जिसमें संकुचित ह्रदय वाला पहला है, ऐसा मनुष्य न खाता है न खाने देता है। अनुदार ह्रदय वाला महाकंजूस होता है, खुद तो खाएगा पर दूसरों को नहीं खिलाएगा। खुद अच्छा-अच्छा खाने का प्रयास करता है, लेकिन खिलाने की बात आने पर कंजूसी दिखाने लगता है। तीसरा उदार होता है, जो खाने के साथ खिलाना भी जानता है। वह उदार ह्रदय से दूसरों को खिलाता है। चौथा विशाल ह्रदय वाला होता है, जो हमेशा खुला रहता है। वह सोचता है क्या लाए थे, क्या ले जाएंगे इसलिए विशाल ह्रदय वाला खाने से ज्यादा खिलाने के लिए आगे रहता है। भाग्यशाली मनुष्य जहां पैर रखता है वहीं अमृत का कुआं मिलता है। भाग्यवान मनुष्य का जीवन बहुत अलग होता है। उनके लिए सब द्वार खुले रहते हैं लेकिन भाग्यहीन मनुष्य के लिए सभी दरवाजे बंद रहते हैं। यह सब कर्मों का खेल है।

जिसका जैसा भाग्य होता है उसको वैसा ही मिलता है। भाग्य में जो है वह चलकर आएगा और जो नहीं है वह आकर भी चला जाएगा, इसलिए कहते हैं दुनिया बहुत दुखकारी है। जितना जल्दी हो सके इसको छोड़ देना चाहिए। मन का चाहा कभी नहीं होता है, जो हो रहा है वह सब कर्मों का ही खेल है। ङ्गगुरुदेव ने कहा कि पुण्यवानी से कर्मों का बंध दूर होता है। धम, ध्यान, भजन करके मनुष्य को भव को तार लेना चाहिए। भजन करने वालों से देवता भी खुश होते हैं। जब मन न लगे तो माला फेर लेनी चाहिए। मनुष्य अगर प्रयास करे तो अपने सोए हुए भाग्य को जगा सकता है। इन मार्गों पर चलने वाला अपना जीवन सुधार सकता है। सभा में कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

त्रिशला रेजीडेंसी में 'मातृछाया' की मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया ' की ओर से पहचान सीजन 5 के तहत दो दिवसीय मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी 'हुनर के रंग, अपनों के संग' की शुरुआत मंगलवार को वीवी पुरम स्थित त्रिशला रेजीडेंसी में हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन माइक्रो प्रिंट एंड पैक के प्रबंध निदेशक जयंतीलाल बालर एवं समाजसेवी कांता महावीरचंद समदड़िया ने किया। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी एवं सचिव रेशमा बड़ोला ने सभी का स्वागत करते हुए प्रदर्शनी को नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में डिज़ाइनर साड़ीज , फैशनेबल ड्रेस, सजावटी सामग्री एवं स्टाइलिश फैशनेबल आइटम्स, इमीटेशन ज्वेलरी, होम अप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक लेडीज बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स, खाने पीने आदि के करीब 48 स्टाल लगाए गए। नीलम ललवानी, संयोजिका पुष्पा बाफना एवं मोनिका पालरेचा ने अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभाली। बुधवार शाम 7 बजे तक चलने वाली इस निशुल्क प्रदर्शनी का उद्देश्य आत्म निर्भरता व महिलाओं को सहयोग कर बढावा देना है। प्रदर्शनी के पहले दिन मंगलवार को प्रदर्शनी में खरीददारी के लिए ग्राहकों की अच्छी भीड़ दिखाई दी।

गुरु वचनों को जीवन में आचरण में लाना चाहिए : डॉ वरुणमुनि

आचार्य शिवमुनि के जन्मोत्सव पर कल होगी एकासना तप आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुणमुनि जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुवार को आचार्य डॉ. शिवमुनिजी के जन्मोत्सव के मौके पर ऑल इंडिया महिला कॉन्फ्रेंस द्वारा पूरे देशभर में एकासन तप आराधना करवाई जाएगी। आचार्यश्री गत 45 वर्षों से यह तप करते आ रहे हैं। हमें उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। वे सभी के लिए ध्यान साधना की प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। वरुणमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर ने विश्वास को बहुत दुर्लभ बताया है। केवल सुन लेना ही पर्याप्त नहीं है।

धार्मिक कथाओं और सत्संग का असली लाभ तभी प्राप्त होता है जब सुनने वाला गुरु की लाभकारी शिक्षाओं को सुनकर उन्हें अपने जीवन और आचरण में अपनाता है। संतश्री ने कहा कि आपने कितने ही प्रवचन सुने हैं, फिर भी आत्मा को लाभ क्यों नहीं हुआ? यदि इस पर विचार करें, तो केवल एक ही बात सामने आती है कि आपने महापुरुषों के वचन अनेक बार सुने हैं, लेकिन जिनवाणी को सुनने के बाद भी उस पर अमल नहीं किया। व्यक्ति ने उसे जीवन में धारण नहीं किया, जिस कारण आपकी आत्मा का कल्याण संभव नहीं हुआ और मुक्ति अब भी आपसे दूर है। बस यही आवश्यकता है कि मनुष्य गुरु के लाभकारी वचनों को सुनकर और उनके वास्तविक स्वरूप को समझकर अपनी आत्मा को शुद्ध, साफ़ और शांतिमय बनाए। रूपेशमुनिजी ने अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया ।

महिलावर्ग के सम्मान व मान से ही बनेगा भारत विश्वगुरु : विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में मंगलवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि महिला वर्ग की मान-मर्यादाओं की रक्षा करके ही भारत विश्वगुरु बन सकता है। बौद्धिक, आर्थिक और तकनीकी विकास मनुष्य को जीवन जीने के नए व सरल तरीके दे सकता है, लेकिन जीवन की शांति और खरी उन्नति तो मान-मर्यादा और शील-सदाचार से ही संभव है। भारत की सभी धर्म परंपराओं ने इन सांस्कृतिक जीवनमूल्यों का संरक्षण और विकास किया है। हकीक़त में मान-मर्यादा और शील-सदाचार भारतमाता की आत्मा है। यह देश मात्र जमीन का टुकड़ा नहीं, स्वर्गतुल्य पवित्र भूमि है, जहां देवता भी रमण करते है। यहां की माटी को मां, धन को लक्ष्मी, ज्ञान को सरस्वती, बहन-बेटियों को शुभ-शगुन और साधु-संतों को पवित्र पूजनीय माना जाता है। जहां की माटी, अन्न, पानी, ज्ञान, व्यवहार, संस्कार और संस्कृति, सब-कुछ अन्यत्र दुर्लभ है। जैनाचार्य ने कहा कि बड़ों के आदर-सम्मान से ही हम बड़े बन सकते हैं। जहां परिवार में छोटे-बड़े की मान-मर्यादा का विवेक नहीं होता वह घर कभी वास्तविक प्रगति नहीं कर सकता। मान-मर्यादाओं के लिए यह जरूरी है कि बहन, बहू-बेटियों की नजरें हमेशा झुकी हुई हो। उनके विचार जितने पवित्र होंगे, उतनी ही घर में लक्ष्मी, सरस्वती, सुख और शांति का आविर्भाव होगा। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में नारियों को दैविक शक्ति माना गया है। उनके कुमकुम के पगलियों से पदार्पण होता है। उनके बिना आंगन सूना समझा जाता है। यहां कुमारिकाओं के हाथों से विशेष पूजाएं रचाई जाती हैं। यह सब फूहड़ता, उद्भट वेशभूषा, विवाह पूर्व संबंध, दुराचार या दुष्कर्म के मार्ग पर चलकर नहीं हो सकता। पवित्रता और मर्यादा ही महानता है। संयुक्त परिवार भी सौभाग्य से मिलते हैं। विभक्त होने की सोच तो दुर्भाग्य की निशानी है। ङ्गजैन संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि मंगलवार को भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकिशोर सांखला तथा अन्य पदाधिकारी, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष किशोर रुणवाल,नंदकिशोर सांखला, महासचिव पंकज चोपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य गुरु दर्शनार्थ गदग पहुंचे। कर्नाटक संवाद यात्रा के अंतर्गत उन्होंने आचार्यश्री से आशीर्वाद ग्रहण कर संस्थान की राष्ट्रीय स्तरीय की योजनाओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

नंदकिशोर सांखला ने पाठ्यक्रम में नैतिक जीवन मूल्यों की शिक्षा, कन्याओं की सुरक्षा और विकास, गर्भ परिपालन संस्कार, न्यायालयों के बाहर संवाद से विवादों का निपटारा, पुनर्विवाह, गांव-गांव तालाबों का पुनर्निर्माण और संरक्षण, अंगदान शिविर, अभावग्रस्त लोगों की प्लास्टिक सर्जरी आदि वर्षों से चल रही अनेक कल्याणकारी योजनाओं का ब्यौरा देकर लोगों से इन कार्यों में जुड़ने का आह्वान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com